हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, मंगलवार, 22 जुलाई 2025

तापमान

अधिकतम 32.8 डिग्री

न्यूनतम 21.6 डिग्री

10 ईडी की कार्रवाई के विरोध में जिले में चक्काजाम आज

11 धान खरीदी केंद्र में रखरखाव सही नहीं, सड़ रही है लाखों की भूसी

दुर्ग में आईटी पार्क का रास्ता साफ

वर्किंग वूमन हॉस्टल से होगा संचालन, 15 अगस्त को उद्घाटन की तैयारी, देश-विदेश की 20 से ज्यादा कंपनियों ने किया एप्रोच

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

दुर्ग शहर जल्द ही तकनीकी हब बनने जा रहा है। इसे लेकर जगह की तलाश पूरी कर ली गई है। सिविल लाइन स्थित वर्किंग वूमन हॉस्टल में वैकल्पिक इंतजाम के तौर पर आईटी पार्क शुरू किया जाएगा। 15 अगस्त को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों इसे सेंटर के उद्घाटन की तैयारी है। बता दें कि सेंटर में देश-विदेश की 20 से ज्यादा कंपनियों की आने की संभावना है। राज्य शासन, आईआईटी भिलाई और नगर निगम दुर्ग के सहयोग से इस आईटी पार्क को शुरू किया जा रहा है। चयनित स्थल का विधायक गजेन्द्र यादव, महापौर अलका बाघमार, कलेक्टर अभिजीत सिंह, निदेशक राजीव प्रकाश, प्रोफेसर सामरेन्द्र घोष, विष्णु वैभव द्विवेदी सहित ने अन्य ने निरीक्षण किया। आईटी कंपनियों से एमओयू होना प्रस्तावित है। कैम्पस में इस समय 45 कमरे हैं। कंपनियों की डिमांड के अनुरूप इसे तैयार किया जाना है।

10 हजार से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार, विधायक गजेन्द्र और कलेक्टर ने किया स्थल निरीक्षण

निगम, राज्य शासन और आईआईटी के सहयोग से संचालन

अलग खबर

जानकारी के मुताबिक आईटी पार्क को फिलहाल राज्य शासन, आईआईटी और नगर निगम के सहयोग से संचालित किए जाने की तैयारी है। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए नगर निगम और आईआईटी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ट्रांसफार्मर, उच्च गति इंटरनेट हेतु ऑप्टिकल फाइबर, वर्चुअल मीटिंग रूम सहित सॉफ्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के इंतजाम आईआईटी करेगा। बिजली कनेक्शन और अन्य जरूरी काम निगम के जिम्मे होगी। वहीं अन्य जरूरी काम के लिए राज्य शासन से फंड की डिमांड की गई है। कंपनियों की डिमांड के अनुरूप इसे विकसित किया जाना है।

रिसर्च पार्क में सभी तरह के शोध कार्य होंगे

आईटी पार्क के जरिए आम आदमी सीधे जुड़ सकेगा। रिसर्च पार्क शोध कार्य का केंद्र बिंदु होगा। यानी जिस तरह से आईआईटी में रिसर्च होता है, उसी तरह से रिसर्च पार्क होगा। जहां एक ही जगह पर सभी तरह की टेक्नोलॉजी से लेकर शिक्षा, उद्योग, व्यवसाय, कृषि सहित सभी विषयों पर शोध कार्य होंगे, जो जनता के लिए होगा। किसी भी स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ ही आम आदमी के मन में भी कोई नया इनोवेशन या आइडिया आता है, तो उसे भी यहां एक्सपर्ट की मदद से शोध करने का मौका मिलेगा। यह जिले के लिए बड़ी सौगात होगी।

स्थाई कैम्पस के लिए जगह की तलाश जारी, तीन जगहों का चयनः आईआईटी कैम्पस के लिए स्थाई जगह की तलाश अब भी जारी है। वर्तमान में तीन जगहों पर सर्वे किया गया है। इसमें नलघर काम्प्लेक्स, धमधा नाका स्थित मार्कफेड परिसर और कुकुट पालन केंद्र जेल रोड शामिल हैं। विशेषज्ञों की मानें तो आईटी पार्क के लिए करीब 80 एकड़ की जमीन चाहिए। 25 एकड़ में कैम्पस होगा, बाकी जगहों पर अन्य इंतजाम किए जाएंगे। 20 से ज्यादा कंपनियों ने एप्रोच किया है। दावा है कि कैम्पस के खुलने से 10 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा।

20 से ज्यादा कंपनियों ने किया एप्रोच, जल्द होगा अनुबंध

जानकारी के मुताबिक आईटी पार्क में सेंटर खोलने के लिए देश-विदेश की 20 से ज्यादा कंपनियों ने एप्रोच किया है। उनसे जल्द अनुबंध की तैयारी है। इन कंपनियों में रेडकॉम (कंज्यूमर नेटवर्क सर्विस) इजराइल, मेगा फोर्टे (शिक्षा प्रौद्योगिकी) सिंगापुर, ला प्यूरेट सस्टेनेबल (उत्पाद-सेवा प्रदाता नेटवर्क) गुड़गांव, ग्लोबल इन्फोटेक (आईटी सर्विस प्रोवाइडर) अहमदाबाद, डिजिटेक नेक्सस (ऑटोमेशन, एप प्रोवाइडर) दिल्ली, एंटिट कंसल्टेंसी सर्विसेज (सर्विसेज प्रोइवाइडर) रायपुर, ऑगटेक नेक्स्टवेल्थ (डेटा एनालिसिस) भिलाई, ग्रेओन वेंचर दुर्ग, तडोबा सॉल्यूशन (हार्डवेयर सॉल्यूशन) रायपुर, वॉबल लैब (ट्रेनिंग-आईटी रिसर्च), एनआईबीएफ ऐड्रेक (शिक्षा क्षेत्र में), ग्रेऑन एआई (आईटी सर्विस, एप प्रोवाइडर), पुथुर इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड सहित अन्य शामिल हैं।

B.M. COLLEGE
BCA BBA
PGDCA B.Ed.
आई.टी.आई.
▸ कोपा ▸ इलेक्ट्रिशियन
▸ हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
▸ डीजल मैकेनिक
▸ फायर टेक्नालॉजी
▸ स्टेनो हिन्दी
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9340311314
9303893829, 9300850065

खबर संक्षेप

फरार छह वारंटी पुलिस गिरफ्त में, भेजा जेल

भिलाई। पुलिस ने अभियान चलाकर 6 वारंटियों को गिरफ्तार किया है। वारंटी मोहन नगर और नंदिनी थाना क्षेत्र के है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों में आरोपियों की उपस्थिति के लिए नोटिस जारी किया। उसके बाद समन्स जारी किया गया था। न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। वारंटियों के सकुनत से फरार होने के कारण वारंट तामिल नहीं हो पा रहा था। थाना मोहन नगर एवं नंदिनी पुलिस ने वारंट तामिली के क्रम में विशेष अभियान चलाया। जिसमें वर्षो से फरार 6 वारंटियो को पकड़ा गया। जिसमें वारंटी ग्राम अहेरी भठरी पारा थाना नंदिनी निवासी नितिन जोशी, खिलेश कुमार ठाकुर उर्फ़ बंटी, ग्राम अहेरी धर्मेन्द्र कुमार ठाकुर उर्फ मोंटू, शंकर नगर दुर्ग संतोष देवांगन, प्रकाश देवांगन, रतन लाल देवांगन को पकड़ा गया।

सूने मकान में चोरी करने वाले पकड़ाए

भिलाई। सूने मकान में चोरी करने वाले आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि बोरी पुलिस थाने में वार्ड 8 पटेल पारा ग्राम दनिया निवासी रामहरी पटेल ने शिकायत किया था। पीलाचक खार दनिया के मकान में ताला तोड अज्ञात ने 40-40 किलो का 10 कट्टा बोरी और मकान के बाहर ट्रेक्टर की बैटरी को चोरी कर फरार हो गए। पुलिस विवेचना में पता चाल की आरोपीगण वार्ड 9 पटेल पारा दनिया बोरी निवासी तुकाराम पटेल, वार्ड 2 आवास पारा बोरी राधवेन्दर उर्फ राहूल सेन समेत दो अपचारी बालको ने मकान में चोरी किया था। आरोपियों को घेराबंदी कर पुलिस ने पकड़ा। उनके पास से 10 कट्टा बोरी व ट्रैक्टर का एक लाल रंग का बैटरी , बाइक जब्त किया गया।

सोशल मीडिया में रील बनाने का शौक, दिल दहला देने वाली घटना के बाद सदमें में परिवार

हत्या या आत्महत्या... मां-बेटी जलकर खाक लाश को दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

टाउनशिप नंदिनी के मकान से मां और बेटी की लाश जली हालत में मिलने से सनसनी फैल गई। घटना सोमवार की सुबह की है। जानकारी लगने पर आसपास के लोगों ने दरवाजा तोड़कर कमरे के भीतर प्रवेश कर बचाने का प्रयास किया लेकिन दोनों का शव बेड पर पड़ा मिला।

फिलहाल आत्महत्या या साजिश इसे लेकर पुलिस जांच कर रही है। जांच के बाद ही असली कारणों का खुलासा हो पाएगा। मौके पर पुलिस अफसर और फॉरेसिंक की टीम भी पहुंची थी। शव को पीएम के लिए मेड़िकल कालेज कचांदुर भेजा गया है। नंदिनी पुलिस के मुताबिक स्ट्रीट नंबर 36 बीएसपी क्वाटर में रहने वाली जागेश्वरी 35 वर्ष, बेटी दिव्यांशी 7 वर्ष मायके में हंसी खुशी के साथ रहते थे। दोनों मां बेटी को रील बनाने के शौकिन थी। दोनों का लास्ट रील सोशल मीडिया में वायरल भी हो रहा है। जागेश्वरी का विवाह फोटो ग्राफर पति राम कृष्ण साहू के साथ 6-7 साल पहले हुआ हुआ था। कुछ समय पति के साथ रहने के बाद जागेश्वरी मायके आ गई। दोनों के बीच तलाक की प्रक्रिया न्यायालय में चल रहा है। जागेश्वरी के पिता सीता राम साहू बीएसपी से सेवानिवृत्त कर्मी है। मकान में जागेश्वरी अपने पिता, माता, बेटी दिव्यांशी के साथ निवास करती थी। सोमवार को जागेश्वरी और बेटी दिव्यांशी बिस्तर से उठ नहीं पाए बल्कि दोनों का शव जली हालत में पड़ा मिला। दोनों की लाश को देख आसपास के लोग फफक पड़े।

कमरे में लगी थी आग

जिस कमरे में बेटी दिव्यांशी के साथ जागेश्वरी सोई हुई थी उसी में आग लगी थी। जबकि किचन में सिलेंडर पड़ा हुआ था, उसे कुछ नहीं हुआ। इससे संदेह जताया जा रहा है कि जागेश्वरी ने बेटी को लेकर सुसायड किया होगा। लेकिन पुलिस जांच के बाद ही घटना का असली कारण सामने आ पाएगा। पुलिस हर पहलूओं को इसमें बारिकी से जांच कर रही है। कमरे में धुंआ उठता देख पिता ने पड़ोसियों समेत लोगों को मदद के लिए गुहार लगाई थी। लेकिन तब तक दोनों कमरे में अपना दम तोड़ दिया था।

बिदांस जागेश्वरी कैसे कर सकती है सुसाइड, पुलिस जुटी जांच में

नंदिनी स्थित छग पब्लिक स्कूल में शिक्षिका बनकर बच्चों के भविष्य को गढ़ने वाली जागेश्वरी साहू सुसायड करने को लेकर सवाल खडे हो रहें है। बिंदास अंदाज से जीने वाली जागेश्वरी ने अपनी बेटी के साथ सुसाइड करना गले नहीं उतर रहा है। घटनास्थल से किसी भी प्रकार का सुसायडल नोट तक नहीं मिला है। सुबह 7.45 बजे स्कूल जाया करती थी। दोपहर 1.30 बजे घर लौटकर बच्चों के मकान के आंगन में ट्यूशन भी लिया करती थी। उसकी बेटी दिव्यांशी क्लास वन में उसी स्कूल में पढ़ा करती थी।

90 प्रतिशत दोनों जल चुके थे

पुलिस ने बताया कि जागेश्वरी , दिव्यांशी 90 प्रतिशत तक जल चुकी थी। मां बेटी आजू बाजू सोए हुए थे, बेड में शव बुरी तरह चिपका हुआ बरामद किया गया। मां बेटी के जिंदा जलने की खबर से टाउनशिप में आग की तरह फैल गई। मकान के भीतर से दरवाजा बंद था। जागेश्वरी अपने पति से रामकृष्ण से पांच सालों से अलग रहा करती थी। मां-बेटी का आखिरी रील में मां बेटी काफी खुश है और मस्ती करते दिख रहे हैं। घटना के समय पिता सीता राम सुबह टहलने के लिए निकला था। घर लौटने पर मकान से धुंआ उठता देख शोर मचाने पर लोग इकट्ठा हुए।

जांच की जा रही

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा गया। लाश को देख कुछ नहीं कहा जा सकता है। मां बेटी है पिता के घर पर रहा करती थी। हादसा या सुसाइड है फिलहाल जांच किया जा रहा है। जांच के बाद ही कारण पता चल पाएगा।

-ए किरो, एसडीओपी धमधा

गुड़ से बनी कच्ची शराब के साथ युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

नंदिनी थाना अंतर्गत ग्राम घटियाखुर्द से आबकारी विभाग की टीम ने गुड़ से बनी कच्ची शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि मुखबिर से खबर मिली की आरोपी कच्चा शराब बेचने के फिराक में घूम रहा है। घटना स्थल की घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा गया। एक अन्य मौके से फरार हो गया। आरोपी अनिकेत पारधी से 75 लीटर कच्ची मदिरा गुड़ निर्मित जब्त की गई। इसकी कीमात 11250 रुपए आंकी गई है। 900 किलेग्राम गुड़ निर्मित पाश भी जब्त किया गया, जिसका बाजार मूल्य 45000 बताया गया है। मौके से भारी मात्रा में मदिरा निर्माण सामग्री, गैस, चूल्हा, डेचकी आदि जब्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा

■ नंदिनी थाना अंतर्गत घटियाखुर्द की घटना

34(2), 34(1)(क), (च), एवं 59(क) के तहत कार्रवाई की गई। इस दौरान उप निरीक्षक भूपेन्द्र नेताम, आबकारी उप निरीक्षक प्रियंक ठाकुर, सहायक जिला आबकारी अधिकारी पंकज कुजूर, आबकारी उप निरीक्षक हरिश पटेल, आबकारी उप निरीक्षक गीतांजलि तारम सहित अन्य मौजूद थे।

अभियान चलाकर 15 असामाजिक तत्वों को पकड़ा

भिलाई। असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाकर 15 के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि दुर्ग अनुभाग के थाना प्रभारी के अभियान चलाकर असामाजिक तत्वों, बदमाशों की धरपकड़ की गई। जिसमें 5 पर आर्म्स एक्ट, 15 आरोपियों के खिलाफ 151, 3 पर 107, 116 की कार्रवाई की गई। वर्ष 2021 से फरार महिलाव छेड़खानी करने वाले आरोपी को भी पकड़ा है। रमेश सोनी, मनीष निषाद, थाना दुर्ग अनित कुंजाम, प्रशांत बारले, यमन गौड़ पर प्रतिबंधक़ धाराओं के तहत कार्रवाई, कृष साहू, अजय विश्वकर्मा, भगत, उमेश मरकाम, विक्की यादव, दिनेश यादव, ओमकार निषाद, धनेश्वर दास मानिकपुरी, नारायण गायकवाड,संतोष ढीमर, गोपी खुटेल, पदमनाभपुर महेश कोसरे, अरविंद परिहार,दीपक साहू, गब्बर ऊर्फ फिरोज खान पर कार्रवाई की गई है।

दहेज के लिए किया प्रताड़ित, तीन साल की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

दहेज प्रताड़ना के एक मामले में न्यायालय ने आरोपी पति विजय पिता हीरा सिंह साहू (35 वर्ष) को तीन वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 1 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया। राशि अदा नहीं करने पर आरोपी को 1 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। न्यायाधीश अवध कुमार के न्यायालय से यह फैसला आया। मामले में यह भी जानकारी हुई की महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली गई। प्रकरण के मुताबिक घटना वैशालीनगर थाना

■ न्यायाधीश अवध किशोर के न्यायालय से आया फैसला

अंतर्गत रामनगर की है। घटना दिनांक 14 जनवरी 2024 को मृतका के पति ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। उसने आरोप लगाया कि उसका जीजा विजय उसकी मृतक बहन योगिता को दहेद के प्रताड़ित किया करता था। कई बार मारपीट भी की। इसे लेकर उसने बालोद और वैशालीनगर थाने में शिकायत भी दर्ज कराई। पुलिस ने आत्महत्या के लिए प्रेरित किए जाने की धाराओं के अंतर्गत अपराध दर्ज कर प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया। जहां विचारण के पास प्रताड़ना की वजह से खुदकुशी सिद्ध नहीं हो सकी, लेकिन दहेज के प्रताड़ित किए जाने का आरोप सिद्ध हुआ। इस पर कोर्ट ने आरोपी को धारा 498 ए में 3 साल की सजा से दंडित किया।

मोबाइल पार, तीन युवक गिरफ्तार

भिलाई। जामुल थाना अंतर्गत हुई मोबाइल लूट की घटना आरोपी पकड़ा गया। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि शारदा पारा कैम्प 2 छावनी निवासी दिनेश कुमार गोड शाम को पैदल टहल रहा था। आम्रपाली कालोनी गेट के सामने तीन युवक पहुंचे। पीड़ित का मोबाईल लेकर फरार हो गए। मुखबिर की सूचना पर ट्रांसपोर्ट नगर हथखोज भिलाई तीन निवासी रितेश अहिरवार उर्फ कोमा, आदिवासी नगर छावनी बस्ती अविनाश पोर्ते, नमन उइके और अपचारी बालको को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपियों से पूछताछ करने पर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों से पुलिस ने बाइक, और चार मोबाइल जब्त किया है। सामानों की कुल कीमत 1 लाख 45 हजार रुपए आंकी गई है। कार्रवाई में जामुल टीआई राजेश मिश्रा समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

लापरवाही लगातार शिकायत के बाद भी निगम प्रशासन ने नहीं लिया गंभीरता से, उग्र आंदोलन की चेतावनी

रेलवे स्टेशन की बस्ती में संक्रामक बीमारियों का खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

रेलवे स्टेशन भिलाईनगर बस्ती के लोग कई महीनों से गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। निगम प्रशासन द्वारा इन समस्याओं का निवारण नहीं किए जाने से बस्तीवासी नारकीय जीवन जीने मजबूर हैं।

बस्तीवासियों ने बताया कि यहां न तो पीने के लिए साफ पानी की उपलब्धता है ना ही बारिश के पानी की निकास के लिए कोई व्यवस्था है। इससे झुग्गियों में रहते हुए खुद को सुरक्षित रखना बेहद मुश्किल है। यहां आए दिन ये लोग बीमार पड़ रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक का स्वास्थ्य हमेशा खराब रहता है।यहां छत्तीसगढ़ शासन की स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत मेडिकल वैन भी नहीं आती है, इससे बस्तीवासी इलाज नहीं करवा पाते हैं।

बोरिंग सालों से खराब मेंटेनेंस तक नहीं कराया गया

बस्ती में वर्षों से बोरिंग खराब पड़ी है। इससे लोगों को साफ पेयजल नहीं मिल पा रहा है। यहां की नालियां गंदगी से पटी हुई है। निगम का अमला यहां सफाई के लिए नहीं पहुंचता है, इससे गंदगी चारों तरफ पसरी हुई है। इससे संक्रामक बीमारियां फैल रही है। बस्तीवासियों का कहना है कि यहां के जनप्रतिनिधि को इन समस्याओं के बारे में कई बार बताया गया और जोन कार्यालय में भी लिख कर दिया गया है। इसके बावजूद कहीं कोई सुनवाई नहीं है। बस्ती में आंगनबाड़ी नहीं होने से यहां के बच्चों को पोषण आहार नहीं मिल पा रहा है और बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा भी प्रभावित हो रही है। यहां ज्यादातर बच्चे कुपोषण का शिकार हैं। इसके अलावा क्षेत्र में कचरा फैला हुआ रहता है। नियमित रूप से सफाई नहीं हो रही। इस वजह से संक्रमण बीमारियों का खतरा बढ़ गया।

बारिश का पानी जमा निकासी के इंतजाम नहीं

बस्तीवासियों का कहना है कि नालियों की सफाई न होने से बारिश का पूरा गंदा पानी घरो में भर रहा है और इससे लोग बीमार पड़ रहे हैं। बस्तीवासियों का आरोप है कि वार्ड-67 के पार्षद उमेश साहू को सारी समस्याओं से अवगत करा चुके हैं लेकिन इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। यहां की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है। बस्तीवासियों ने भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि विकास के नाम पर तय काम भी रोक दिए गए हैं। बस्तीवासियों के मुताबिक बगल के वार्ड में 60-70 मजदूर काम करते दिखते हैं लेकिन हमारे वार्ड के लिए मजदूरों की कमी का बहाना बना दिया जाता है।

सस्ता सस्ता सस्ता
न्यू ओम ज्वेलर्स
शादी ब्याह में दुल्हनों के लिए एक से एक सुंदर वेरायटी के गहने उपलब्ध
जितने ग्राम सोना लेने पर उतने ही ग्राम की चांदी बिल्कुल फ्री
916 (22K), 833 (20K), 75 (18K) हॉलमार्क के गहने
अब बिल्कुल सस्ते दामों पर उपलब्ध
आज ही पधारें
सर्टिफाइड राशि रत्न उपलब्ध है
★ 100% गारंटी सोना, चांदी, हीरा
★ टोटल हाल मार्क जेवर
★ स्पेशल पर्स, बैग फ्री
★ रिपेयरिंग फ्री
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

खबर संक्षेप

मंच संचालक के प्रदेश कार्यकारिणी का गठन

दुर्ग। मंच संचालक समिति छत्तीसगढ़ की साधारण सभा की बैठक हुई। जिसमें नए पदाधिकारियों का गठन आपसी सहमति एवं मनोनयन द्वारा चयन किया गया।नए पदाधिकारियों में संयोजक चंद्रशेखर परगनिहा, संरक्षक छोटू साहू सिंघोलिया, गणेश यदु, राजेश साहू, नन्हा शायर, अध्यक्ष सोहन लाल साहू, उपाध्यक्ष संजय मैथिल, टीके अठनागर, सचिव सुमित कुमार यादव, कोषाध्यक्ष एवन कुमार साहू, सह सचिव चंद्रकुमार साहू, ग्वाला प्रसाद यादव, तीरथ यादव, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष वेदकुमारी साहू, उपाध्यक्ष इंदिरा चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष सीमा साहू, मीडिया प्रभारी अविनाश सपहा, कार्यकारिणी सदस्य रवि यदु, कमलेश, धनंजय साहू, एकलव्य साहू, ताराचंद गजपाल, हरीश कुमार साहू, खिलेश्वरी यदु, तिलकराज सिन्हा, ललित कुमार निषाद, नरेंद्र कुमार साहू आदि शामिल हैं।

व्यापारियों को महिला समृद्धि बाजार में शिफ्ट होने के निर्देश

दुर्ग। नगर निगम द्वारा इंदिरा मार्केट क्षेत्र में हाल ही में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। इस क्रम में महापौर अलका बाघमार ने आयुक्त सुमित अग्रवाल से चर्चा कर पुराने बस स्टैंड क्षेत्र के कपड़ा व्यापारियों के लिए महिला समृद्धि बाजार स्थित पौनी पसारी वैकल्पिक स्थान चिन्हित कर व्यवस्थापन के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने व्यापारियों से कहा है कि यदि अगले दो दिनों के भीतर वे अपने व्यवसाय को चिन्हित स्थान पौनी पसारी पर नहीं स्थानांतरित करते हैं, तो नगर निगम की ओर से उनके विरुद्ध पुनः अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही संबंधित व्यापारियों पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। नगर निगम ने सभी प्रभावित व्यापारियों से सहयोग की अपील की है ताकि शहर की व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके और आमजन को असुविधा ना हो। व्यापारी दो दिन में स्थानांतरण करें, वरना कार्रवाई होगी।

दवा विक्रेताओं, कॉस्मेटिक्स सेंटरों, मिठाई दुकानों में औषधि प्रशासन की दबिश

हरिभूमि न्यूज ⏭| दुर्ग

मिलावटी सामानों को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद सोमवार को खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने दवा दुकानों, कॉस्मेटिक्स सेंटरों, मिठाई दुकानों में दबिश दी। टीम ने अम्बे मेडिकल रिसाली से प्रसाधन सामग्री के 2 सैंपल लिए। मेसर्स गुरुकृपा कास्मेटिक्स सुपेला से 1 नमूना, मेसर्स जलाराम ब्यूटी वर्ल्ड मोतीपारा दुर्ग से 1, मेसर्स सिल्की फैशन जोन मरोदा से 1 नमूना लिया। 5 नमूने जांच के लिए भेजे गए। इसके अलावा मेसर्स गुलाब श्रृंगार सदन उतई, मेसर्स मनोज श्रृंगार सदन उतई, मेसर्स नूतन श्रृंगार सदन दुर्ग, मेसर्स वर्ल्ड ऑफ ब्यूटी स्टेशन रोड, दुर्ग, मेसर्स श्रृंगारिका गिफ्ट एण्ड टॉयज़ सेक्टर-6, ए-मार्केट, भिलाई, मेसर्स दुल्हन श्रृंगार सदन, सेक्टर-6, ए-मार्केट भिलाई, ऐसे कुल 10 फर्मों का निरीक्षण किया गया। सहायक औषधि नियंत्रक संजय सिंह झड़ेकर ने बताया कि जिले में स्थित मेडिकल डिवाईस एवं औषधि के निर्माता फर्म मेसर्स ग्लोबल बायोसाईंस बोरसी दुर्ग एवं औषधि एवं प्रसाधन सामग्री की निर्माता फर्म स्वर्णा होमकेयर प्रोडक्ट्स, इंडस्ट्रीयल एरिया भिलाई का निरीक्षण किया गया। संदिग्ध उत्पादों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया है।

10 से ज्यादा सेंटरों से मिलावटी सामान के संदेह पर लिए गए सैंपल

मिठाई दुकानों की भी की गई जांच

इसी प्रकार खाद्य शाखा द्वारा जिले में संचालित मेसर्स आदिनाथ एजेंसी दुर्ग से कृष्णा बर्फी, मां दुर्गा डेयरी, पावर हाउस से पनीर, मेसर्स जलाराम स्वीट्स रिसाली से मथूरा पेड़ा, मेसर्स शुभम डेयरी एण्ड स्वीट्स रिसाली से पनीर, मेसर्स न्यू कलकत्ता स्वीट्स, बोरसी से कुंदा, मेसर्स बिकानेर स्वीट्स सुपेला से नमकीन का नमूना जांच हेतु लेते हुए निरीक्षण कार्य किया गया एवं त्यौहारी सीजन को देखते हुए उचित साफ-सफाई हेतु निर्देशित किया गया। नमूनों की जांच उपरांत नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

प्रदर्शन: भिलाई निगम की बदहाली और भ्रष्टाचार का लगाया आरोप

15वें वित्त आयोग के पैसे का दुरुपयोग, घटिया क्वालिटी के बिजली पोल लगे, धरने पर पार्षद

हरिभूमि न्यूज ⏭| भिलाई

भिलाई नगर निगम एक तरफ गुणवत्तायुक्त विकास और स्वच्छता की ओर तेजी से काम करने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर उसी निगम के पार्षद निगम के ऊपर भ्रष्टाचार और मनमाना कार्य करने का आरोप लगाते हुए अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। निगम से वार्ड 3 पार्षद हरिओम तिवारी, वार्ड 6 के पार्षद रवि शंकर कुर्रे, वार्ड 9 पार्षद रानू राजू साहू के पति राजू साहू, वार्ड 51 की पार्षद मीरा बंजारे के पति जितेंद्र बंजारे सोमवार को सुबह 10 से शाम 4 बजे तक धरने में बैठे। उन्होंने इस दौरान निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस धरना प्रदर्शन का वार्ड 2 नेहरू नगर की पार्षद चंदेश्वरी बांधे ने भी समर्थन किया है, उनका कहना है कि मंगलवार से वो भी धरना पर बैठेंगी। विरोध प्रदर्शन करने बैठे पार्षद हरिओम तिवारी ने कहा कि उनका धरना प्रदर्शन अनवरत जारी रहेगा। जब तक उनकी सभी मांगे नहीं मानी जाती है धरना खत्म नहीं होगा। उनका कहना है कि वो सत्ता में नहीं है, कुछ कर नहीं सकते हैं, लेकिन अपना विरोध प्रगट करके इतना जरूर करेंगे की शहर की जनता को ये पता चल जाएगा कि निगम के अधिकारी और जिम्मेदार जनप्रतिनिधि जनता के टैक्स के पैसे का किस तरह से दुरुपयोग कर रहे हैं।

पार्षदों ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

2 करोड़ की नाली में खुलेआम भ्रष्टाचार, विपक्ष मौन

धरने पर बैठे पार्षद रविशंकर कुर्रे का कहना है कि कर्मा चौक से लोहिया पेट्रोल पंप तक वार्ड 17 से 6 तक बिना बेस और पर्याप्त लोहे के नाली का निर्माण किया जा रहा है। निगम से इसके लिए 1 करोड़ 97 लाख रुपए की लागत का टेंडर पास है। नाली में ना तो सही बेस तैयार किया जा रहा है, ना मानक के मुताबिक लोहा लग रहा है। इस तरह खुलेआम भ्रष्टाचार होने के बाद भी विपक्ष के लोग क्यों शांत हैं। निर्माण की गुणवत्ता की जांच निगम के इंजीनियर्स द्वारा क्यों नहीं की जा रही है।

निकाले खंभों का नहीं हुआ भौतिक सत्यापन

धरने पर बैठे पार्षद पति जितेंद्र बंजारे का कहना है कि पुराने खंभे तभी हटाए जाने थे, जब वो खराब हो गए हों। उन्होंने निगम से मांग की है कि क्या निगम ने पुराने खंभों को निकालने से पहले उनका भौतिक सत्यापन कराया है। यदि कराया है तो उसकी रिपोर्ट कहां है।

स्वीकृति के बाद भी तालाब का नहीं हो रहा सौंदर्यीकरण

धरने पर बैठे पार्षदों ने आरोप लगाया कि भेलवा तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए 25 लाख रुपए की स्वीकृति मिल चुकी है। पार्षद पति राजू साहू का कहना है कि निगम सिर्फ इसलिए टेंडर नहीं लगा रहा है क्योंकि उनके आका को उनके मुताबिक कमीशन देने वाला ठेकेदार नहीं मिल रहा है। इसी कारण तालाब का सौंदर्यीकरण का कार्य रुका हुआ है और पूरा तालाब जलकुंभी और गंदगी से पट चुका है।

आज भी जारी रहेगा धरना प्रदर्शन

पार्षदों का कहना है कि उनका धरना प्रदर्शन लगातार तब तक जारी रहेगा, जब तक की उनकी तीनों मांगे नहीं मानी जाती है। उन्होंने पहले दिन जोन आयुक्त अजय सिंह को अपनी मांग भेज दिया है। जोन आयुक्त ने निवेदन किया है कि निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय शहर से बाहर हैं, इसलिए उनके आने तक धरना स्थगित किया जाए, लेकिन पार्षदों ने निर्णय लिया है कि वो धरना लगातार जारी रखेंगे।

पुराने निकालकर लगाए जा रहे 4 करोड़ के नए पोल

धरने पर बैठे पार्षद हरिओम तिवारी का कहना है कि शहर में 15वें वित्त की राशि का खुलेआम दुरुपयोग हो रहा है। पुराने बिजली के पोल सही होने के बाद भी उन्हें उखाड़कर उनकी जगह घटिया क्वालिटी के नए पोल सिर्फ इसलिए लगाए जा रहे हैं ताकि उसमें बने फोटो फ्रेम में कुछ चहेते नेताओं की फोटो लगाई जा सके। उनका कहना है कि जब पुराने पोल सही थे, तो नए पोल लगाने की क्या जरूरत थी। इतना ही नहीं जब नेताओं के फोटो पोल में लगाए जा रहे हैं तो सिर्फ विधायक और महापौर के फोटो ही क्यों लग रहे हैं। दुर्ग सांसद का फोटो क्यों नहीं लग रहा है। साथ जिस वार्ड में पोल लग रहे हैं उस वार्ड के पार्षद का फोटो भी लगना चाहिए।

ईडी की कार्रवाई के विरोध में जिले में चक्काजाम आज

हरिभूमि न्यूज ⏭| दुर्ग

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तारी और ईडी द्वारा लगातार कांग्रेसी नेताओं को निशाना बनाए जाने के विरोध में कांग्रेस 22 जुलाई को जिले के 6 जगहों पर चक्काजाम करेगी। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर इस आशय की जानकारी दी है। 22 जुलाई को सिरसा गेट भिलाई 3, मिनीमाता चौक पुलगांव, नेहरू नगर चौक ढिल्लन होटल के पास, जामुल एसीसी, सेलूद चौक पाटन, दुर्ग-बेमेतरा मुख्य मार्ग महामाया गेट के सामने धमधा में चक्का जाम किया जाएगा।

राकेश ठाकुर ने कहा कि भूपेश बघेल रायगढ़ जिले के तमनार तहसील में अडाणी समूह की कोयला खदान परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई का मुद्दा उठाया जाना था। महीने की शुरुआत में रायगढ़ जिले के तमनार तहसील का दौरा किया था। कोयला खदान परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई का विरोध कर रहे स्थानीय ग्रामीणों का समर्थन किया था। यह खदान महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड को आवंटित है, जिसने एमडीओ (खदान विकासकर्ता सह संचालक) का ठेका अदाणी समूह को दिया है। एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाकर बीजेपी पर्यावरण संतुलन की बात कह रही है, वहीं दूसरी ओर पूरा जंगल साफ किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में जहां 35 प्रतिशत तक जंगल थे, जो घट कर 25 प्रतिशत क पहुंच गया है। भाजपा अपने करतूतों को छिपाने व विधानसभा में सवालो से बचने इस तरह की कार्रवाई की है। पार्टी का कार्यकर्ता इससे डरने वाला नहीं है। विरोध में चक्काजाम का निर्णय लिया गया है।

मोर मकान-मोर आस : 31 को निकाली जाएगी लॉटरी

भिलाई। शासन की जनकल्याणकरी योजना मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी का संचालन किया जा रहा है। नगर निगम भिलाई में प्रधानमंत्री आवास योजना घटक से निर्मित आवासों का आबंटन के लिए सक्षम स्वीकृति प्राप्त हुआ है। जिसके तहत मकान के कुल 10 प्रतिशत अंशदान राशि एवं व्यवस्थापन हेतु कुल हितग्राही अंशदान 75 हजार रूपये निगम कोष में जमा कराकर नियमानुसार लाटरी निकाला जाएगा। सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को अन्य तल (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय) तथा वरिष्ठ एवं दिव्यांगजनों को भूतल के आवासों का आबंटन लाटरी पद्धति से निगम सभागार में 31 जुलाई को दोपहर 12 बजे किया जाएगा।

तकनीकी ज्ञान और कौशल का हो सृजनात्मक उपयोग

कौशल तिहार-2025 प्रतियोगिता शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭| दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण अंतर्गत युवाओं में कौशल विकास के संबंध में जागरूकता एवं मुख्यमंत्री कौशल योजना एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षित तथा प्रशिक्षणरत युवाओं को अपने तकनीकी कौशल का मूल्यांकन एवं प्रदर्शन का अवसर प्रदान करने जिले में अलग-अलग स्थानों पर जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता 21 से 23 जुलाई तक आयोजित है। कौशल तिहार 2025 के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता का आज एमएसएमई प्रौद्योगिकी केन्द्र रसमड़ा दुर्ग में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि तकनीकी ज्ञान और कौशल का उपयोग सृजनात्मक कार्यों में हो। उन्होंने कहा कि कौशल एक ऐसी ज्ञान है, जो व्यक्ति को एक अलग पहचान दिलाती है। कलेक्टर ने कहा कि मानव पीढ़ी दर पीढ़ी कौशल ज्ञान का उन्नयन करते हुए आज इस मुकाम तक पहुंचा है।

■ जिला स्तरीय कौशल स्पर्धा का कलेक्टर ने किया शुभारंभ

अपने ज्ञान और सिद्धांतों के आधार पर अनेकों अविष्कार किये हैं। उन्होंने कहा कि मानव प्रवृत्ति की सोच अविष्कार आधारित है। आकाश में उड़ने की सोच से हेलीकाप्टर और हवाई जहाज तक अविष्कार किया है। दुनिया में टेक्नोलॉजी का निरंतर विस्तार हुआ है। जिसकी वजह से आवागमन, संचार और उर्जा के क्षेत्र में अविष्कार हुए हैं। आज सरकार सोलर टेक्नोलॉजी, सोलर उर्जा को बढ़ावा दे रही है। इसे और विकसित करने प्रतियोगी प्रतिभागियों का भी योगदान होना चाहिए।

कलेक्टर ने कहा कि इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी अपने कौशल तकनीक से इस केन्द्र का रोल मॉडल बन कर आने वाले अन्य प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित कर सकते हैं। एमएसएमई प्रौद्योगिकी केन्द्र के प्रभारी प्रबंधक अभिनव दास ने कौशल विकास प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्रौद्योगिकी केन्द्र अंतर्गत विभिन्न टेक्निकल कांफ्रेंस सेक्टर का अवलोकन कर सीएनसी ऑपरेटर ट्रेनिंग, सोलर पीबी इस्ट्रालर की जानकारी ली। उन्होंने औद्योगिक केन्द्र परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव, प्रौद्योगिकी केन्द्र के प्रशिक्षक, उद्योग, रोजगार, क्रेडा, विभाग के अधिकारी एवं प्रशिक्षित प्रतिभागी उपस्थित थे।

अहातों में बिक रहे प्रतिबंधित डिस्पोजल, बंद करवाने की मांग

दुर्ग। देशी विदेशी शराब भट्टी में संचालित अहातों में प्रतिबंधित डिस्पोजल व पानी पाऊच बंद करने की मांग छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच ने की है। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूरनलाल साहू ने बताया कि दुर्ग जिला में देशी एवं विदेशी शराब भट्टी में सभी संचालित अहाता सेंटर में सरकार द्वारा प्रतिबंध डिस्पोजल एवं पानी पाऊच को धड़ल्ले से बेचा जा रहा है चुकी नियम के अनुसार डिस्पोजल एवं पानी पाउच न बेचने की हिदायत दी गई है एवं आबकारी विभाग के द्वारा जारी नियम में साफ साफ दर्शाया गया है कि पर्यावरण एवं साफ सफाई को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधत डिस्पोजल एवं पानी पाऊच का उपयोग प्रतिबंध रहेगा नियमो का उल्लंघन करने पर लाइसेंस रद्द किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन नियमों का धज्जियां उड़ाते हुए यह कार्य धड़ले से चालू है आबकारी अधिकारी, खाद्य विभाग, नगर निगम को सूचना देने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। गंजपारा, जामगांव, पोटिया रोड दुर्ग सहित सभी जगहों पर नियमों को ताक पर रखकर प्रतिबंधित पानी पाऊच और डिस्पोजल बेचा जा रहा है। मंच एवं अजीत जोगी युवा मोर्चा ने माँग की है कि जितने भी अहाता सेंटर है उसकी जांच कर लाइसेंस रद्द करें एवं जो अधिकारी शामिल है उन पर कार्रवाई की जाए। कार्रवाई न होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

उरला तालाब किनारे से अतिक्रमण हटाने के निर्देश

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, नरेंद्र बंजारे, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, पार्षद रेशमा सोनकर, लोकेश्वरी ठाकुर, उपभियंता विनोद मांझी, सुरेश भारती के साथ वार्ड 58, उरला क्षेत्र में तालाब के किनारे निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अवैध कब्जा, नालियों की दुर्दशा और सड़क पर जलभराव की स्थिति को सुधार के निर्देश दिए। महापौर ने तालाब किनारे अवैध निर्माण को देखते हुए कब्जाधारियों को मौके पर चेतावनी दी गई है और जल्द ही अतिक्रमण हटाने कहा। सफाई में लापरवाही पाए जाने पर सफाई दरोगा व सुपरवाइजर को फटकार लगाई गई और सुधार के निर्देश दिए।अधिकारियों को तालाब किनारे अवैध कब्जों को यथाशीघ्र हटाने के निर्देश दिए। नालियों और सड़कों की सफाई कार्य प्राथमिकता से पूर्ण किए जाएं।

बायोडिग्रेडेबल बैग की बढ़ी मांग कीमत भी कम, नहीं है हानिकारक

हरिभूमि न्यूज ⏭| दुर्ग

सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के बाद बाजारों में बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक व बायो प्लास्टिक डिस्पोजल की मांग में वृद्धि देखी जा रही है।

■ बायोप्लास्टिक को दें बढ़ावा, पर्यावरण भी सुरक्षित

स्थानीय थोक व चिल्हर विक्रेताओं की दुकानों में अब पर्यावरण अनुकूल बायोडिग्रेडेबल कैरी बैग उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत भी आम जनता के लिए सुलभ है। महापौर अलका बाघमार एवं निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने दुकानदारों और व्यापारियों से कहा कि वे पारंपरिक प्लास्टिक के बजाए बायोप्लास्टिक बैग का उपयोग करें। ये बैग न केवल पर्यावरण के लिए सुरक्षित हैं, बल्कि हानिकारक रसायनों से मुक्त होते हैं।

उन्होंने बताया कि बायोप्लास्टिक बैग मक्का स्टार्च या अन्य पौधों से बनाए जाते हैं, जो नवीकरणीय संसाधन हैं। ये प्राकृतिक रूप से विघटित होकर खाद योग्य हो जाते हैं, जिससे प्लास्टिक कचरे की समस्या में कमी आती है। साथ ही, ये बैग खाद्य पदार्थों के भंडारण के लिए भी सुरक्षित विकल्प माने जाते हैं।

बायोडिग्रेडेबल कैरी बैग उपयोग करने की अपील

महापौर एवं आयुक्त ने आम नागरिकों से भी कहा कि यदि वे बायोप्लास्टिक बैग खरीदना चाहते हैं, तो इन्हें स्थानीय बाजार और किराना दुकानों से आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा आपका एक छोटा कदम स्वच्छ दुर्ग की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है। आज ही प्लास्टिक छोड़ें और बायोडिग्रेडेबल अपनाएं, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं है।

जनदर्शन में लोगों की समस्याओं को सुन अधिकारियों को निराकरण के दिए निर्देश

वार्ड में नहीं है नाली, बदबू से लोग परेशान, लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭| दुर्ग

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में संयुक्त कलेक्टर सिल्ली थॉमस ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित 137 आवेदन प्राप्त हुए।

■ जनदर्शन में मिले 137 आवेदन

वेल्डिंग दुकान से वार्डवासियों को परेशानी

दुर्ग के वार्ड नं. 10 के निवासी ने घर के पास स्थित वेल्डिंग दुकान के ध्वनि प्रदूषण को बंद कराने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि वार्ड क्रमांक 10 में संचालित वेल्डिंग दुकान से निकलने वाली तेज आवाज के कारण मोहल्लेवासियों का रहना मुश्किल हो गया है। सुबह 8 से रात 8 बजे तक तेज मशीनों की आवाज और प्रदूषण उत्पन्न होता है। वेल्डिंग मशीनों की तेज आवाज, लोहे की कटाई से उत्पन्न ध्वनि और धुएं से वायुप्रदूषण बढ़ रहा है। साथ ही बच्चों की पढ़ाई में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। इस पर संयुक्त कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

पानी की निकासी की बताई समस्या

बघेरा वार्ड 56 एवं वार्ड 1 के मोहलाई रोड, बिजली ऑफिस के पास रहने वाले वार्डवासियों ने नाली के पानी की निकासी की गंभीर समस्या से निदान दिलाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि यहां बनी नाली में जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे बारिश के समय पानी घरों में घुस जाता है। पानी रुकने से उसमें कीड़े-मकोड़े और अन्य हानिकारक जीव पनप रहे हैं, जिससे संक्रमण और बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। वार्डवासियों ने इस समस्या को लेकर पार्षद एवं नगर निगम में भी आवेदन दिया है। इस पर संयुक्त कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

जन्मतिथि में त्रुटि, सुधार की मांग

ग्राम रीवागहन तहसील पाटन की निवासी छात्रा ने जन्म प्रमाण पत्र में जन्म तिथि सुधारने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि जन्मतिथि में त्रुटि के कारण आगे की पढ़ाई में कठिनाई हो रही है। अंकसूची में जन्मतिथि 05 फरवरी 2010 दर्ज है, जो कि सही है, परंतु जन्म प्रमाण पत्र में गलत दर्शाया गया है। साथ ही, आधार कार्ड में भी जन्मतिथि 1 जनवरी 2010 अंकित है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। इन गलतियों के कारण उन्हें विद्यालयीन दस्तावेजों में मिलान न होने से पढ़ाई में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड में अंकसूची के अनुसार सही जन्मतिथि दर्ज कराने गुहार लगाई, जिससे उनकी शिक्षा में आ रही बाधा दूर हो सके। इस पर संयुक्त कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत पाटन को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। इस दौरान नगर निगम दुर्ग, रिसाली, भिलाई, खाद्य विभाग, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

मकान में तोड़फोड़ करने वाली आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। स्कूल व मकान में तोड़फोड़ करने के मामले में पुलिस ने फरार महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि 23 जुलाई को आरोपी राजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव अपने दोस्त परवीन खान, आशिया खान, साहू ड्राइवर के साथ मिलकर पीड़ित के.व्ही. शशी के घर पंचशील सेक्टर ए सडक 7 बोरसी पहुंचे थे। इस दौरान आरोपियों ने मिलकर गैती, बडा हथौडा, फावडा लेकर पीड़ित के स्कूल,मकान में घुसकर जमकर तोड़फोड़ किया था। इसके अलावा गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी थी। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश में जुटी रही। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मामले की फरार आरोपी तकिया पारा वार्ड 8 दुर्ग निवासी परवीन शेख को गिरफ्तार किया। पुलिस ने पहले आरोपी राजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव को पकड़कर पूछताछ किया था। घटना को करना स्वीकार किया था। महिला आरोपी को पुलिस ने रिमाण्ड पर न्यायालय पेश किया।

निगरानीशुदा बदमाश पर प्राणघातक हमला

भिलाई। निगरानीशुदा बदमाश पर कुछ युवकों ने प्राणघातक हमला कर दिया है। घटना छावनी थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि शाहरुख श्याम नगर के पास बैठा हुआ था। कुछ युवक पहुंचे और मारपीट कर गंभीर रुप से उसे घायल कर दिया। शाहरुख छावनी थाना क्षेत्र का पुराना अपराधी है। घायल शाहरुख को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार जारी है। शाहरुख नाबालिग के समय से अपराध करता आ रहा है। बताया जा रहा है कि शाहरुख के परिचित युवकों ने ही उस पर हमला किया है। पुलिस फिलहाल जांच में जुटी हुई है। फरार युवकों की तलाश में जुटी हुई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही हमले का कारण पता चल पाएगा।

निधन

कृष्णकांत जयसवाल

भिलाई। आशीष प्रोविजन स्टोर

शॉप नंबर 78 बीएसपी मार्केट रिसाली सेक्टर निवासी कृष्णकांत जयसवाल का निधन 21 जुलाई को हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 22 जुलाई को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से रिसाली मुक्तिधाम के लिए निकलेगी।

न्यायालय तहसीलदार, दुर्ग, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)

-: फर्द प्रकाशन :-

रा.प्र.क्र. :- 202411100700171/अ-27/ वर्ष 2024-2025 ग्राम-पोटियाकला, प.ह.नं. 38, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

आवेदकगण (01) रविन्द्र अग्रवाल पिता स्व. रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल, निवास- एच.आई.जी. 4, नेहरू नगर, शिव मंदिर के पास, जिला-कोरबा (छ.ग.), (02) अरविंद कुमार अग्रवाल पिता स्व. रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल, निवास-शंकर नगर रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.), (03) डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल पिता स्व. रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल, निवास-टेगोर नगर रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.) की ओर से आम मुख्तयार के तरफ से राजेन्द्र कुमार नागडू पिता स्व. पी. वासुदेव नायडू, निवास-छ.ग. कॉलेज चौक बैरन बाजार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.) विरूद्ध (01) डॉ. गोपाल कृष्ण अग्रवाल पिता स्व. श्री कृष्ण अग्रवाल, निवास-3 चालीस गार्डन क्लोज लंदन (02) सुरेश अग्रवाल पिता डॉ. चंद्रशेखर अग्रवाल, निवास-एम ब्लॉक फ्लैट नं. 402 पोटियाकला चौक रिषभ प्राईम सिटी दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम पोटियाकला प.ह.नं. 38, रा.नि.मं. कसारीडीह तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 142/13, 144/1 एवं 146/3 तथा कुल रकबा 0.696 हे. है। अनावेदक क्रमांक 01 व 02 रिश्ते में आवेदकगणों के सगे चाचा हैं। उक्त भूमि 0.696 हे. में आवेदकगणों का 0.232 हे. हिस्सा है। आवेदकगण अपने संयुक्त हिस्से की भूमि 0.232 हे. भूमि को अनावेदकगण क्रमांक 1 एवं 2 की भूमि से अपना खाता का विभाजन करना चाहता है ताकि भूमि का स्वयं के लिए उपभोग व उपयोग कर सके। आवेदन सद्भाविक रूप से स्वयं के आधिपत्य एवं स्वामित्व की भूमि का विभाजन किये जाने बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में हल्का पटवारी से प्रतिवेदन प्राप्त किया प्राप्त फर्द प्रतिवेदन दिनांक 09/05/2025 निम्नानुसार प्राप्त हुआ है-

प्रथम पक्षकार-पक्षकार का नाम-रविन्द्र अग्रवाल पिता स्व. रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल, ख.न.-142/13, रकबा-0.082 हे., लगान-0.57

सुभाष चंद्र अग्रवाल पिता स्व. रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल, ख.नं.-144/1, रकबा-0.065 हे.

अरविंद कुमार अग्रवाल पिता स्व. रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल, ख.नं.-146/3 का टुकड़ा, रकबा-0.085 हे.

द्वितीय पक्षकार-पक्षकार का नाम-डॉ. गोपाल कृष्ण अग्रवाल पिता स्व. श्री कृष्ण अग्रवाल, ख.न.-146/3 का टुकड़ा, रकबा-0.232 हे., लगान-0.57

तृतीय पक्षकार-पक्षकार का नाम-सुरेश अग्रवाल पिता डॉ. चंद्रशेखर अग्रवाल, ख.न.-146/3 का टुकड़ा, रकबा-0.232 हे., लगान-0.57

अतः जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उजर / दावा पेश करना हो तो पेशी दिनांक 25/07/25 तक स्वयं अथवा स्वयं के द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति-आक्षेप पेश कर सकते है, बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 17/07/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से यह उद्घोषणा पत्र प्रकाशन हेतु जारी किया।

तहसीलदार
दुर्ग

नियमों के विपरित किये जा रहे कार्यों पर की गई कार्रवाई

गुढ़ियारी में अवैध रूप से चलाए जा रहे आरामिल पर फॉरेस्ट विभाग का छापा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

फॉरेस्ट विभाग के एसडीओ के नेतृत्व में पूरी टीम के साथ दी गई दबिश

सोमवार को सुबह फॉरेस्ट विभाग की टीम ने पाटन ब्लॉक के ग्राम गुढ़ियारी में स्थित एक आरा मिल में दबिश दी है। बताया जा रहा है कि फॉरेस्ट विभाग को सूचना मिली थी कि यहां पर आरा मिल में बहुत सारे लकड़ी डंप पड़ी है। वहीं आर मिल के संचालक से दस्तावेज भी मांगे जा रहे हैं। फॉरेस्ट विभाग जांच में जुट गई है। जिसके जमीन पर आरा मिल चल रहा उसने आरा मिल चलाने की अनुमति ही नहीं लिया। दो साल से यह आरा मिल अवैध रूप से चल रहा था।

वहीं फॉरेस्ट विभाग के एसडीओ के नेतृत्व में उसकी पूरी टीम आरा मिल पर दबिश दी है। बड़ी संख्या में वहां पर लकड़ी मिली है। जिसकी गिनती कर पंचनामा बनाया गया। आराम मिल जिसके जमीन पर था उससे भी पूछताछ कर दस्तावेज मंगाए गए। लेकिन कोई दस्तावेज नहीं मिल पाया। फॉरेस्ट विभाग पूछताछ में गाड़ाडीह के आसपास बहुत से आराम मिल संचालित है जिसमें आशंका जताया जा रहा है कि कई ऐसे आरा मिल है जहां पर नियमों की विपरीत काम किया जा रहा है। इस पर भी अंकुश लगाया जाना जरूरी है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का कहना है कि सभी आराम मिल की जांच किया जाना चाहिए राजस्व और फॉरेस्ट विभाग की एक टीम बनाकर जांच किया जाए तो इन आरा मिलों पर अनेकों खामियां मिल जाएगी। वहीं फॉरेस्ट विभाग ने करवाई करते हुए लकड़ी और मशीन को जप्त कर लिया है। जिसे फारेस्ट विभाग के पाटन डिपो में रखा जाएगा। कार्रवाई सुबह से ही शुरू हुई जो कि शाम तक चलती रही।

अंचल की खबरें

भोलेनाथ का पूजा-अर्चना कर किया जलाभिषेक

अंडा। बोल बम सावन के महीने में सैकड़ो भक्तजन शिवनाथ नदी विनायकपुर घाट से श्री विष्णुधाम ओटेबंध मंदिर श्री भोलेनाथ बाबा के जलाभिषेक करने हेतु कांवड़िया आए एवं पूजा-अर्चना किये। इस अवसर पर मोरध्वज गुप्ता, संतोषी गुप्ता, श्रद्धा गुप्ता, पायल देशमुख, दामिनी देशमुख, चाँदनी देशमुख, सावित्री देशमुख, ममता देशमुख, दानेश्वरी साहू, अनिता साहू, हर्षिता साहू, रेशमा साहू, लोमेश्वरी साहू, वीरा साहू, माधुरी यादव, डिंपल यादव, लीला साहू, टोमन देशमुख आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर मोरध्वज गुप्ता, संतोषी गुप्ता ने कहा कि महादेव का प्रिय माह सावन जारी है, सावन का दूसरा सोमवार है। इस दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करना बेहद शुभ होता है। इसके प्रभाव से महाकाल शीघ्र प्रसन्न होते हैं। माना जाता है कि सावन सोमवार न केवल उपासना का दिन है बल्कि यह भोलेनाथ का आशीर्वाद पाने का विशेष अवसर है, जिसका इंतजार सभी को साल भर रहता है। मान्यता है कि इस दिन महादेव को शमी का फूल, बेलपत्र, दूध, चंदन और शहद आदि चढ़ाने से साधक को आर्थिक लाभ, अच्छी सेहत और मनचाहा जीवनसाथी प्राप्त होता है।

आमटी में भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन

अंडा। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत आमटी में भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें माता शीतला मंदिर से श्रद्धालु जल लेकर तन्दुला नदी किनारे भगवान शिव मंदिर तक कांवड़ लेकर पहुंचे एवं शिवजी का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना किया गया। साथ ही साथ वृक्षारोपण का कार्य किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत आमटी की सरपंच दुर्गा पुरुषोत्तम चौधरी के साथ पंच राजेश देवांगन एवं ग्रामवासी टोपलाल पटेल, शैलेश निषाद, दीपक, लक्की, डिलू, सतीश निषाद, अजय, रोमन, कुलेश्वर, संदीप, कुणाल, मोती, कन्हैया, मिहिर, खोरबाहरा, कुलेश्वर शर्मा, कुमार पटेल, शशिकला, रामहीन, दुलारी, सीता, मालेश्वरी, नीता, श्यामा पवार, मोंटी, मधुबाला, गंगा चौधरी आदि ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

'स्टेम' सप्ताह में हुई विविध प्रतियोगिताएं

उतई। केंद्रीय विद्यालय सीआईएसएफ भिलाई में 'स्टेम' सप्ताह का आयोजन 14 जुलाई से 18 जुलाई तक किया गया। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के क्रियाकलाप और गतिविधियां संचालित की गई। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि भुबनेश्वरी प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय, सीआईएसएफ भिलाई ने समारोह को संबोधित करते हुए बताया कि 'स्टेम' यानि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित है। इसका उद्देश्य छात्रों को समस्या-समाधान के लिए सोच और नवाचार के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के क्रियाकलाप का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत प्रश्नोत्तरी, विज्ञान मंच और अन्य ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक भाग लिए। इस कार्यक्रम के प्रभारी रूना चौधरी के साथ गीतू, सुनीता गावंडे, सृजन, रीना साहू और ठाकुर भी थे। वहीं मुख्य अतिथि ने इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थीगण और सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

धान खरीदी केंद्र में रखरखाव सही नहीं, सड़ रही है लाखों की भूसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

■ समिति अध्यक्ष भी नहीं ले रहा सुध

दुर्ग जिला अंतर्गत पाटन ब्लाक में स्थित सेवा सहकारी समिति धान खरीदी केंद्र में बरसात के मौसम में अव्यवस्था का आलम दिखाई दे रही है। आपको बता दें कि धान खरीदी की समय खरीदी की गई भूसी का रखरखाव सही नहीं होने के कारण खुले में पड़े हुए हैं। बारिश के मौसम में सड़ रहे हैं। वहीं कुछ सोसाइटी में तिरपाल से भी ढकने की कोशिश की गई है। कुछ समितियां में शेड का निर्माण किया गया है। वहां पर भी सुरक्षित भूसी को रखा गया है।

कई स्थानों पर समिति के द्वारा खुले में ही भूसी को छोड़ दिया गया है। जिससे समिति को भारी नुकसान हो सकता है। आपको बता दें धान की खरीदी की शुरुआत नवंबर-दिसंबर में होती है तब उसे समय भूसी की मारामारी शुरू हो जाती है। समितियों को आसानी से भूसी नहीं मिल पाती। वर्ष 2024-25 की धान खरीदी में समिति के कर्मचारियों को बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ा। बजट से ज्यादा कई जगह भूसी मंगाई गई धान की उठाव नहीं होने के कारण या स्थिति निर्मित हुई थी। तिरपाल और जमीन में ही धान खरीदी केंद्र में की गई थी। आने वाले समय में 2025-26 में भी धान की खरीदी राज्य सरकार के द्वारा की जाएगी। जहां इन रखे हुए सड़े भूसी का भी उपयोग किया जा सकता है या फिर साबूत भूसी मंगाया जाएगा जिसमें लाखों रुपए समिति के द्वारा फिर खर्च की जाएगी। पुराने भूसी को आखिर तिरपाल से डंक कर सुरक्षित क्यों नहीं रखा जा रहा है। इस मामले समिति क्यों संज्ञान में नहीं ले रहा है। शासन को लाखों का चुना क्यों लगाया जा रहा है। समिति के द्वारा मेंटेनेंस क्यों नहीं की जा रही है। खुले में रखें भूसी का रखरखा सही नहीं होने से समिति को कितनी नुकसान होगी इसके अभी से अंदाजा लगाया जा सकता है। इस विषय में प्राधिकृत अधिकारी भी मौन हैं भूसी के रखरखाव के लिए कोई उचित व्यवस्था समिति में नहीं की जा रही है फिर हाल अभी बरसात में खुले में रखे लाखों की भूसी सड़ रही है।

मुझ पर लगाए आरोप निराधार, कराएं निष्पक्ष जांच

■ मंडल अध्यक्ष गोपाल ने रखा अपना पक्ष

भिलाई। 1 जुलाई को स्मृतिनगर पुलिस की कार्रवाई और शराब के नशे में होने के आरोप को बीजेपी कोहका मंडल के अध्यक्ष गोपाल साहू ने निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि उन पर गलत आरोप लगाए जा रहे हैं। वो कभी भी शराब का सेवन करते ही नहीं है। 1 जुलाई की रात वो अपने परिवार के साथ आईसक्रीम खाने निकले थे। उन्होंने कहा कि इस बारे में पुलिस के अधिकारियों ने भी जानकारी दी है कि उनके खिलाफ ना तो कोई केस दर्ज हुआ है और ना ही उन्हें पुलिस पकड़कर ले गई है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने मीडिया में गलत जानकारी देकर उनकी छवि खराब करने की कोशिश की है। इससे वे काफी व्यथित रहे। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी भी प्रकार की घटना नहीं हुई। इस बारे में जब एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर से बात की गई तो उन्होंने भी कहा कि 1 जुलाई की देर रात गोपाल साहू से पुलिस चेकिंग के दौरान पूछताछ हुई है। शराब और मारपीट वाली बात अफवाह है।

सीसीडीए ने कोरियर कंपनियों पर जताई चिंता, अवैध औषधियों की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

छत्तीसगढ़ केमिस्ट एवं डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन (सीसीडीए) ने कोरियर कंपनियों द्वारा अवैध रूप से की जा रही औषधियों की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाने आवाज उठाई है। इस संबंध में एसोसिएशन द्वारा गृहमंत्री विजय शर्मा को ज्ञापन सौंपकर कोरियर कंपनियों के कृत्यों से उत्पन्न घटनाओं को बेहद चिंताजनक बताया है।

सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से सीसीडीए ने अपनी मांगो को प्रमुखता से उठाया है। मांगो में कोरियर कंपनियों और ऑनलाइन विक्रेताओं को किसी भी प्रकार की औषधि की डिलीवरी सीधे उपभोक्ताओं को नही करने, ड्रग कंट्रोल और पुलिस विभाग को डिलीवरी पर सतर्क निगरानी रखने और संदिग्ध आपूर्ति की जांच कर कानूनी कार्रवाई करने निर्देश जारी करने, यदि कोई औषधि कोरियर के माध्यम से भेजी जाती है, तो उसका पूरा विवरण, प्रिस्क्रिप्शन व स्त्रोत की जानकारी, स्थानीय पुलिस और ड्रग निरीक्षक कार्यालयों में प्रस्तुत करने को अनिवार्य करना शामिल है।

इस संबंध में छत्तीसगढ़ केमिस्ट एवं डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन (सीसीडीए) के सचिव अविनाश अग्रवाल ने बताया है कि वर्तमान में कुछ ई-कॉमर्स और कोरियर कंपनियों द्वारा प्रदेश में गैरकानूनी रूप से औषधियों की आपूर्ति की जा रही है। यह न केवल ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 का उल्लंघन है, बल्कि इससे समाज में नशे और दवा दुरुपयोग की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिल रहा है।

ऑनलाइन दवा बिक्री के संबंध में केंद्र सरकार की स्पष्ट गाइडलाइंस न होने के बावजूद, कुछ कंपनियां बिना वैध पर्ची, बिना फार्मासिस्ट निगरानी के औषधियां भेज रही हैं, जो स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से चिंताजनक है। श्री अग्रवाल ने बताया कि हाल ही में रायपुर में एक व्यक्ति द्वारा फ्लिकार्ट से ऑनलाइन मंगवाए गए चाकू से की गई हत्या ने इस विषय की गंभीरता को और उजागर कर दिया है। पुलिस द्वारा ई-कॉमर्स कंपनी व कोरियर सेवा के 6 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। यह छत्तीसगढ़ में अपनी तरह की पहली कार्रवाई है। यह दर्शाता है कि जब तक इन प्लेटफार्म्स की सख्त निगरानी और जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक ये माध्यम अवैध और घातक गतिविधियों का जरिया बने रहेंगे।

कांवड़ यात्रा आस्था और शिवभक्ति का प्रतीक

■ यात्रा को सुरक्षित व भव्य बनाने की गई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

पवित्र श्रावण मास के तीसरे सोमवार को बोल बम कांवड़ यात्रा समिति, पाटन द्वारा भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा पुराना बाजार पाटन से प्रारंभ होकर टोलाघाट तक जाएगी, जिसमें सैकड़ों शिवभक्त भगवा वस्त्र धारण कर हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों के साथ सहभागी बनेंगे।

कांवड़ यात्रा को भव्य और दिव्य बनाने के लिए समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा के मार्गदर्शन में गांव-गांव में बैठकों और तैयारियों का जोर चल रहा है। वहीं सोमवार को ग्राम सेलूद, पतोरा, पाटन एवं टोलाघाट में बैठक सम्पन्न हुआ। समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा ने बैठक में यात्रा की रूपरेखा की जानकारी दी और यात्रा को अधिक भव्य, सुरक्षित व अनुशासित रूप देने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। पिछले वर्षों की समीक्षा करते हुए इस बार यात्रा में नए उत्साह के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं भक्तिमय वातावरण निर्माण के साथ जल संरक्षण पर विशेष बल दिया गया है। टोलाघाट में प्रसिद्ध सांस्कृतिक एवं भक्तिमय गायिका पायल साहू की संगीतमय प्रस्तुति, जो श्रद्धालुओं को शिवभक्ति में सराबोर करेगी।

सत संकल्प पाठ लिखकर जीवन में अपनाएं

अंडा। विकास खंड स्तरीय गोष्ठी का प्रज्ञापीठ हनोदा में सफ़ल आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिदुओं पर चर्चा की गई। वहीं प्रत्येक सप्ताह एक सत संकल्प पाठ लिख कर जीवन में उतारने का अभ्यास करेंगे। वर्तमान माह में साधना, वृक्षारोपण, बाल संस्कार शाला, स्वच्छता अभियान को विशेष गति प्रदान किया जाएगा। माह के प्रथम व तृतीय रविवार को विकास खंड स्तरीय सामूहिक कार्य के लिए आरक्षित किया गया। वहीं 3 अगस्त को सामूहिक श्रमदान कोकड़ी हनोदा में पौधारोपण व स्वछता अभियान के रूप में रहेगा। विभिन्न स्थानों में 5 व 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ आयोजन पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई।

हरेली पर गेंड़ी दौड़, भौंरा चालन, पिट्ठुल, रस्सा कसी कुर्सी दौड़ जैसे पारंपरिक खेलों का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई के तत्वावधान में परमेश्वरी भवन प्रगति नगर रिसाली में सावन हरेली महोत्सव का भव्य आयोजन हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज की महिलाओं एवं पुरुषों के लिए गेंड़ी दौड़, भौंरा चालन, पिट्ठुल, रस्सा कसी, कुर्सी दौड़ जैसे छत्तीसगढ़ी पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सभी वर्ग के लोगों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और पुरस्कार जीते।

आरंभ में देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन की अगुवाई में सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक कृषि यंत्रों एवं सामग्रियों जैसे हल, गैती, फावड़ा, हंसिया, गाड़ा चक्का, पर्रा, टुकना, धान, गेहूं आदि का विधिवत पूजन कर अच्छी फसल के उत्पादन एवं सबके सुख-समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने छत्तीसगढ़ी पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर छत्तीसगढ़ी वस्त्र, आभूषण एवं भाषा पर केंद्रित रोचक जानकारियां शेयर की जिसकी खूब सराहना की गई। महिलाओं के लिए आयोजित कार्यक्रमों के संयोजन में सुमन देवांगन, कल्पना भानु देवांगन, प्रभा देवांगन, जयश्री देवांगन, शकुंतला बांकुरे, महेश्वरी देवांगन, लक्ष्मी देवांगन, कामना देवांगन, चंद्रप्रभा देवांगन, गायत्री देवांगन, मधुबाला देवांगन आदि का विशेष योगदान रहा। महिलाओं ने इस अवसर पर लगाए गए सावन झूला का जमकर आनंद लिया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन, सचिव विनोद देवांगन, कोषाध्यक्ष गजेंद्र देवांगन, डॉ सूर्य मंगल देवांगन आदि उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला-दुर्ग
राजस्व मामले में नोटिस
(व्यक्तिगत सूचना)

रा.प्र.क्र./202505100700199/अ-06(अ)/ वर्ष 2024-2025, पेशी दिनांकः- 28/07/2025
प्रति, श्रीमती रूपाबाई पति जोधराम
साकिन-तितुरडीह, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक बाबूलाल साहू पिता स्व. लखनलाल साहू निवासी-सिंधिया नगर दुर्ग के द्वारा ग्राम तितुरडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 37/12 रकबा 0.0080 हे. मे आवासीय मकान एवं रिक्त स्थान स्थित है। जिसे आवेदक की माता बितरी बाई पति स्व. लखन लाल साहू के द्वारा पंजीकृत बैनामा दिनांक 09/03/1988 के माध्यम से विक्रेता रूपा बाई पति स्व. लखन लाल साहू से क्रय किया गया है। जिसका प्रमाणीकरण उपरांत क्रेता बिसरी बाई पति लखनलाल का नाम दर्ज कर ऋणपुस्तिका जारी किया गया है। वर्तमान में आवेदक की माता बितरी बाई का दिनांक 02/01/2013 को निधन हो गया है परन्तु राजस्व अभिलेख में विक्रेता रूपा बाई पति जोधराम का नाम दर्ज चला आ रहा है। जिसे सुधार किये जाने बाबत आवेदन पत्र सहमय दस्तावेजों सहित इस न्यायालय में पेश किया गया है।

इस न्यायालय द्वारा आपको न्यायालय में उपस्थित होने हेतु नोटिस प्रेषित किया गया था, किंतु आपका पता स्पष्ट न होने के कारण आपको प्रेषित नोटिस अदम तामिली प्राप्त हुआ, आवेदक पक्ष द्वारा आपका स्पष्ट पता ज्ञात न होना बताया गया।

अतः इस प्रकाशन के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि आगामी पेशी दिनांक 28/07/2025 को दोपहर 02.00 बजे दिन को न्यायालय में स्वयं अपना पक्ष रखे जाने हेतु उपस्थित होवें। उपस्थित नहीं होने पर प्रकरण में यथाविधि एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

आज दिनांक 10.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से सूचना से जारी की गई।

जारी दिनांक - 10/07/2025
सुनवाई दिनांक-28/07/2025

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर दुर्ग
नोटिस

राजस्व प्रकरण कमांक अ/6(अ)
वर्ष 2024-2025

प्रति,
श्री सिमरत सिंह भोगल आ.श्री रंगा सिंह भोगल निवास म.नं.-390, कैलाश नगर, कुरूद, औधोगिक क्षेत्र भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

आवेदक श्रीमती प्रीती सिंह पति संजीव कुमार, साकिन कैलाश नगर कुरुद द्वारा ग्राम कुरुद प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 1606/29 रकबा 0.01 हे. को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से दिनांक 04/12/2018 को आपसे क्रय किया था, जिसका नामान्तरण हो गया था, परन्तु अभिलेख में आपका नाम दर्ज हो गया है, जिसे सुधार किये जाने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। जिस पर आपकी उपस्थिति के लिए दिनांक 31/07/2025 नियत किया गया है। उपरोक्त तिथि को उपस्थित नही होने पर एक पक्षीय कार्यवाही किया जावेगा।

जारी दिनांक 11/07/2025

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

खबर संक्षेप

बीएसपी एक्स की बैठक में मेडिक्लेम पर चर्चा

भिलाई। बीएसपी एक्स-ओए की जीबीएम 20 तारीख को आयोजित की गई, जिसके बाद (1) एमजीएम आई इंस्टिट्यूट, रायपुर और (2) उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल, रायपुर द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बीएसपी पूर्व अधिकारी संघ की आम सभा की बैठक संपन्न हुई। अध्यक्षता बीएसपी पूर्व ओए के अध्यक्ष सरोज रंजन दास ने की। उन्होंने 11 महीने के भत्ते के बकाया भुगतान की वर्तमान स्थिति, सेल मेडिक्लेम योजना और बीओएसईसी सुपर टॉप-अप सुविधा, ईपीएस 95 पेंशन, संशोधित ग्रेच्युटी पर सुको का मामला, बीएसपी अस्पताल से संबंधित आदि समस्याओं संविदा के आधार पर काम करने वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों की अग्रिम नियुक्ति आदि की जानकारी सदस्यों को दी। ओए अध्यक्ष और सेफी चेयरमैन नरेंद्र बंछोर, और महासचिव परविंदर सिंह ने भी 11 महीने के भत्ते का बकाया, ईपीएस 95, मेडिक्लेम 2025-26, मार्च 2018 के बजाय 1 जनवरी 2017 से संशोधित ग्रेच्युटी के भुगतान के लिए सेल के शीर्ष प्रबंधन के साथ सेफी के प्रयास और बातचीत आदि की जानकारी दी।बैठक में एक्स-ओए पदाधिकारी जेबी पाटिल, आरबी. गुप्ता, आरएस. श्रीवास्तव और वरिष्ठ पूर्व ओए सदस्य वीके पाल, एके. मजूमदार, आर. पिपरसानिया, बी धार्मिक, जीवीआर राजा, राजीव झा, बीसी जैन, वाईपी अग्रवाल, आर.के. अग्रवाल आदिउपस्थित थे।

कमकासुर में बीएसपी का निःशुल्क चिकित्सा शिविर

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के दुल्की माइन्स के सीएसआर द्वारा कमकासुर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। सामान्य जांच के साथ ही शुगर, बीपी आदि की निःशुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। कुल 45 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराकर शिविर का लाभ उठाया। बीएसपी अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की निःशुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है।

सेल के बने फौलाद से एशिया की सबसे लंबी सुरंग में दौड़ेंगी गाड़ियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

देश की सबसे बड़ी सार्जनिक इस्पात कंपनी स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा एशिया की सबसे लंबी सड़क सुरंग जोजिला सुरंग परियोजना के लिए 31 हजार टन से अधिक स्टील की आपूर्ति की गई है। भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग और एशिया की सबसे लंबी दो-तरफ़ा सुरंग बनने के लिए तैयार है। सेल जोजिला सुरंग परियोजना" में पार्टनर है।

सेल ने इस परियोजना में 31 हजार टन से ज़्यादा स्टील दिया है, जिसमें टीएमटी री-बार, स्ट्रक्चरल स्टील और प्लेट्स शामिल हैं। यह प्रोजेक्ट के 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है, और सेल लगातार स्टील सप्लाई कर रहा है, जो कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है। जोजिला सुरंग जैसी बड़ी परियोजनाओं में सेल का योगदान देश के निर्माण में उसकी भूमिका को और मजबूत करता है। जोजिला सुरंग 11,578 फीट की ऊँचाई पर, हिमालय के मुश्किल पहाड़ों में बनाई जा रही है। यह 30 किलोमीटर से भी अधिक लंबी सुरंग है। यह द्रास और कारगिल होते हुए, श्रीनगर और लेह के बीच, पूरे साल आवाजाही को आसान बनाएगी। यह सुरंग भारत के राष्ट्रीय अवसंरचना विकास, विशेष रूप से श्रीनगर-कारगिल-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग, का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे इस इलाके में आम लोगों और सेना दोनों के लिए आना-जाना बहुत आसान हो जाएगा।

ज़ोजिला सुरंग परियोजना में 31 हजार टन से अधिक स्टील की आपूर्ति की

बांद्रा वर्ली सी लिंक में भी योगदान

यह परियोजना केवल एक रणनीतिक ढांचागत सुविधा ही नहीं है, बल्कि इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा आर्थिक अवसर भी है। सेल की जोजिला सुरंग के लिए स्टील की आपूर्ति, देश की कई और प्रतिष्ठित ढांचागत परियोजनाओं, जैसे चिनाब रेलवे पुल, अटल सुरंग, बांद्रा-वर्ली सी लिंक, ढोला सादिया और बोगीबील पुलों को बनाने में योगदान देने की कंपनी की लंबी विरासत को और मजबूत करता है।

जल्द एनजेसीएस बैठक बुलाने की मांग, बोनस फार्मूला में करें बदलाव

सेल के मेहनतकशों को चाहिए 40 हजार से अधिक बोनस, यूनियनें हो रहीं एकजुट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

सेल में सालाना बोनस को लेकर भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों में सुगबुगाहट शुरु हो गई है। इस साल कर्मचारियों को उम्मीद है कि उन्हें पिछले साल से अधिक बोनस मिलेगा। समय पर सम्मानजनक बोनस मिले, इसे लेकर यूनियनों एकजुटता के साथ अनुकूल माहौल बनाने की तैयारी शुरु कर दी है। इस संबंध में जल्द ही केंद्रीय यूनियनों की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें बोनस के लिए जल्द दिल्ली में एनजेसीएस कमेटी की बैठक बुलाने की मांग की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि हर साल सेल कर्मचारियों को दुर्गा पूजा पर्व के पूर्व सालाना बोनस दिए जाने की परंपरा रही है। इसके लिए जुलाई के अंतिम सप्ताह या अगस्त के के दूसरे हफ्ते एनजेसीएस कमेटी की बैठक दिल्ली में आयोजित की जाती रही है। लेकिन इस साल बोनस बैठक को लेकर अब तक कोई तैयारी की सूचना यहां यूनियन नेताओं को अपनी केंद्रीय यूनियनों से मिली है और न ही उच्च प्रबंधन स्तर पर ही कोई सर्कुलर आदि जारी हुआ है। इससे यहां बीएसपी कर्मियों के साथ यूनियनों में भी किंचित बेचैनी है। उच्च प्रबंधन के पिछले रवैय्ये को देखते हुए एनजेसीएस यूनियनें सजग हो गई हैं और अधिक बोनस के लिए शुरुआती माहौल बनाना शुरु कर दिया है। यूनियनें इस साल अधिक बोनस की मांग कर रही हैं और इस मामले में प्रबंधन के कोताही बरतने के पुराने बोनस फार्मूला जैसे किसी भी कदम का पुरजोर विरोध करने की रणनीति बनाएंगी। इस साल 40 हजार रुपए से अधिक बोनस की मांग की जा रही है। यूनियनों के मुताबिक पिछली बार वर्कर्स को न तो दुर्गापूजा के पूर्व बोनस दिया गया था और न ही मांग के अनुरुप सम्मानजनक बोनस राशि ही दी गई थी। यूनियनों ने इसका व्यापक विरोध किया था।

प्रबंधन ने पिछले साल एकतरफा निर्णय लेकर मात्र 26 हजार 5 सौ दिया था बोनस

प्राफिट में है कंपनी, नुकसानदेह है फार्मूला

सेल इस साल भी प्राफिट में है। यूनियनों के मुताबिक कंपनी 2 हजार करोड़ से अधिक के प्राफिट में है। प्रबंधन को कर्मियों के उत्पादन उत्पादकता के योगदान को देखने की जरुरत है न कि कर्मियों को नुकसान पहुंचाने वाले पुराने बोनस फार्मूला का राग आलापने की जररुत है। यदि इस बार पिछली बार की तरह बोनस को लेकर प्रबंधन द्वारा हठधर्मिता दिखाई गई तो पुरजोर विरोध किया जाएगा। 40 हजार से अधिक बोनस की मांग का संदेश पहुंचाने जल्द यहां यूनियनों की बैठक बुलाकर प्रभावी रणनीति बनाई जाएगी।

बिना निर्णय के सीधे खाते में अल्प बोनस

गौरतलब हो कि वर्ष 2024 में एनजेसीएस बोनस बैठक में सदस्य इंटक, सीटू, एटक, एचएमएस और बीएमएस द्वारा पूरी एकजुटता दिखाते हुए बोनस फार्मूला को नुकसानदेह बताते हुए अधिक बोनस मांग की जाती रही। लेकिन बैठक बेनतीजा खत्म होने के बाद प्रबंधन ने एकतरफा निर्णय लेते हुए कर्मियों के खाते में सीधे मात्र 26 हजार 5 सौ रुपए बोनस डाल दिये थे। इसका यूनियनों ने पुरजोर विरोध किया था। प्रबंधन के पिछले रवैये को देखते हुए एनजेसीएस यूनियनें सजगता बरत रही हैं जल्द एनजेसीएस कमेटी की बैठक बुलाने की मांग कर रही हैं। एचएमएस महासचिव पीके मिश्रा बताते हैं कि दो साल पूर्व मिले 40 हजार 500 रुपए से ऊपर बोनस देने की मांग इस साल की जाएगी। प्रबंधन को जल्द एनजेसीएस बैठक बुलाने की जरुरत है, ताकि वर्कर्स में किसी प्रकार का असमंजस न रहे।

40 हजार से अधिक मिले बोनस

सेल कर्मचारियों के कीर्तिमानी उत्पादन को देखते हुए इस साल 40 हजार 5 सौ रुपए से अधिक बोनस के लिए दबाव बनाया जाएगा। हमें पुराना बोनस फार्मूला मंजूर नहीं है क्योंकि इसमें जिन तथ्यों को जोड़ा गया है, वह वर्कर्स के हित में नहीं है। उच्च प्रबंधन दुर्गापूजा पूर्व बोनस निर्धारण के लिए एनजेसीएस बैठक बुलाए। **-पीके मिश्रा,** जीएस,एचएमएस

सम्मानजक बोनस के लिए एकजुट

सम्मानजनक बोनस मांगना मेहनतकश कर्मचारियों का हक है। 9 जुलाई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल से कर्मियों ने अपनी एकजुटता दिखा दी है। प्रबंधन के पिछले रुख को देखते हुए इस साल अधिकाधिक बोनस के लिए सभी यूनियनें सजग हैं और पूरी तरह एकजुट हैं।
-विनोद कुमार सोनी, जीएस, एटक

भिलाई-चरोदा निगम का स्वच्छ शहर में देशभर में 19वां स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

नगर पालिका निगम भिलाई-चरोदा स्वच्छता सर्वेक्षण में 19 वां स्वच्छ शहर की गिनती में आ गया है। केन्द्रीय आवास एवं शहरी मंत्रालय द्वारा पूरे देश भर के शहरों की स्वच्छता का आकलन करने के लिये प्रति वर्ष सर्वेक्षण किया जाता है।

वर्ष 2024-25 के सर्वे में भिलाईचरोदा ने नगर के जनसंख्या के आधार पर 50 हजार से 3 लाख की केटेगरी में शहर को भारत में 19 वाँ स्थान मिला। सभी जिलों में नगर को 12 वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। गत वर्ष के सर्वेक्षण में भारत में 460 वाँ स्थान प्राप्त हुआ था। प्रदेश में 107 वाँ स्थान मिला था। इस बार भारत वर्ष में 460 से 441 स्थान छलांग मारकर 19 वाँ स्थान बनाने भिलाई-चरोदा निगम कामयाब रहा है। महापौर निर्मल कोसरे, आयुक्त डीएस सिंह राजपुत ने सभी सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदीयों, नगर निगम के अधिकारियों, कर्मियों को का आभार जताते हुए आने वाले वर्ष में भी स्वच्छता को लेकर इससे बेहतर काम करने को कहा है।

वन स्टार रैंकिंग भी है

आयुक्त ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण के कचरा मुक्त शहरों की जारी सूची में शहर को 1 स्टार रैंकिंग दर्जा प्राप्त ओडीएफ प्लस, प्लस का दर्जा मिला है। इसका सबसे बड़ा श्रेय हमारी स्वच्छता दीदियों व सफाई मित्रों को जाता है। जिन्होंने दिन रात मेहनत कर शहर को स्वच्छ, सुंदर बनाया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी के सहयोग के साथ ही शहर के नागरिकों, समाजसेवी संस्था, व्यापारियों का भी सहयोग इसमें रहा है।

मैत्रीबागः बारिश में बोटिंग का लुत्फ उठा रहे यंगस्टर

भिलाई। बारिश के मौसम में खूबसूरत झील में बोटिंग करते बच्चे और यंगस्टर आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सभी के लिए रिमझिम फुहारों के बीच बोटिंग के रोमांच का अनुभव यादगार है। मैत्रीबाग प्रबंधनन द्वारा झील में जल स्तर बढ़ने के बाद एहतियातन सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। बरसात के मौसम के शुरु होने के बाद मैत्रीबाग में गर्मियों में दिखाई देने वाली रौनक भले ही थोड़ी कम हो गई है लेकिन युवाओं की आमद अभी भी बनी हुई है। खासकर उन्हें झील में बोटिंग का आकर्षण यहां खींच ला रहा है। पिछले हफ्ते तीन दिनों तक हुई वर्षा के बाद झील में जल स्तर बढ़ने के बाद इसकी खूबसूरती भी बढ़ गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर अवैध वसूली की कलेक्टर से शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

पिछले दिनों जामुल नगर पालिका में प्रधानमंत्री आवास के नाम पर वहां के एक निजी एजेंसी के कर्मी द्वारा हितग्राहियों से नक्शा, नापजोख और पेपर वर्क के नाम पर पैसा लेने का मामला सामने आया था। हरिभूमि ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद भी जब मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई और स्थिति जस की तस बनी रही तो बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने दुर्ग कलेक्टोरेट जाकर कलेक्टर से इसकी शिकायत की।

हितग्राहियों ने कलेक्टर को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि उन्हें शासन की योजना के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ तो दिया गया, लेकिन वहां बैठे एग्रीमेंट कर्मी राहुल देवकर उनसे नक्शा, नापजोख और पेपर वर्क के नाम पर 3000 रुपए कमीशन मांग रहा है। इतना ही नहीं वो हितग्राहियों से खुद मकान बनाने का ठेका भी ले रहा है।

जो लोग राहुल देवकर को मकान बनाने का ठेका दे भी रहे हैं तो उनका मकान मानक से अधिक क्षेत्रफल में बनाकर उनसे फिर पालिका की अनुमति के नाम पर पैसे की डिमांड कर रहा है। लोगों ने मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

राज्य सुशासन नहीं जंगलराज की ओर अग्रसर : वदूद आलम

भिलाई। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू ने छत्तीसगढ़ में बिगड़ी कानून व्यवस्था पर राज्य की सहायक सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था की स्थिति कई घटनाओं और आंकड़ों के आधार पर लगातार बदतर होती दिखाई दे रही है। अपराधों में वृद्धि, पुलिस की निष्क्रियता, नक्सली हिंसा, महिला सुरक्षा और राजनीतिक संरक्षण जैसे मुद्दों ने स्थिति को चिंताजनक बना दिया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2023 आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 15% की वृद्धि हुई। औसतन 5–6 मामले दर्ज हैं। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ी। राजधानी रायपुर, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर जैसे शहरों में हत्या और लूटपाट की घटनाएं आम हो गई हैं। चाकूबाजी और गैंगवार की घटनाएं बढ़ी हैं, खासकर युवाओं में नशे के कारण। बस्तर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर जैसे क्षेत्रों में नक्सली हमलों की घटनाएं अब भी चुनौती बनी हुई हैं। छत्तीसगढ़ में अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण और पैसे के बल पर बच निकलने की छूट मिली हुई है।प्रदेश महासचिव वदूद आलम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में युवाओं में नशे की स्थिति चिंताजनक है,सरकार युवाओं को शिक्षा रोजगार से वंचित कर, नशे की ओर धकेलकर वोट बैंक के लिए इस्तेमाल कर रही है। राज्य में शराब, गांजा, अफीम, स्मैक, कोरेक्स, टेबलेट और तंबाकू उत्पादों का सेवन लगातार बढ़ रहा है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और युवाओं में नशे की प्रवृत्ति चिंताजनक है। बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, धमतरी व सरगुजा क्षेत्रों में अवैध खेती और तस्करी की घटनाएं सामने आई हैं। कॉलेज और स्कूल स्तर पर नशे का चलन खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है।

बीएसपी के एसपी 3 में इन-हाउस उद्घाटित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट-3 के रॉ मटेरियल एरिया के बेल्ट कन्वेयर रूट बी-103 में इन-हाउस संसाधनों के माध्यम से नए स्टोन थ्रोवर सिस्टम की स्थापना सफलतापूर्वक की गई। नई स्टोन थ्रोवर

- संसाधनों से नया स्टोन थ्रोवर सिस्टम की स्थापना

प्रणाली का उद्घाटन महाप्रबंधक प्रभारी अनूप कुमार दत्ता द्वारा किया गया। मुख्य महाप्रबंधक एस वर्गीज और सहायक महाप्रबंधक आरके रणदिवे भी उपस्थित थे।

बी-103 बेल्ट कन्वेयर संयंत्र के अंदर उत्पन्न होने वाले स्क्रैप जैसे मिल स्केल, सिन्टर रिटर्न, एलडी स्लैग आदि को सिन्टर मशीन-1 तक ले जाता है। इससे अच्छी गुणवत्ता का सिन्टर तैयार किया जा सके। हाइवा और डंपर के माध्यम से स्क्रैप सामग्री ट्रैक हॉपर के बंकर में संग्रहित की जाती है। स्टोन थ्रोवर सिस्टम की स्थापना का कार्य महाप्रबंधक आई वी. रामण्णा के मार्गदर्शन में तथा महाप्रबंधक एससी चावरिया, सहायक महाप्रबंधक अजय श्रीवास्तव, सहायक महाप्रबंधक केके वर्मा, सहायक महाप्रबंधक एचएल मंडावी, जीतेश शाहनी व सहायक प्रबंधक आर किंडो की टीम द्वारा सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। स्क्रैप सामग्रियों के साथ विभिन्न आकार के स्टोन के छोटे-बड़े टुकड़े और अन्य अवांछित पदार्थ नियमित रूप से अशुद्धि के रूप में मिलते रहते हैं, जिससे प्रपोर्शनिंग बिल्डिंग के बेल्ट वेट फीडर में बार-बार खराबी आती है। पिछले कुछ वर्षों में बेल्ट वेट फीडर की कार्य-कुशलता में गिरावट और मशीन-1 के रुकने की संभावना भी बढ़ गई थी।

तीस मीटर की ऊंचाई पर स्थापित

समस्या के समाधान के लिए रॉ मटेरियल एरिया की टीम ने इन-हाउस संसाधनों से नया स्टोन थ्रोवर सिस्टम उसके ड्राइव यूनिट सहित सभी सुरक्षा सुविधाओं के साथ डिजाइन कर तैयार किया। इसे बी-103 बेल्ट कन्वेयर के ड्राइव साइड पर 30 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया। स्टोन थ्रोवर सिस्टम, आकार के रॉ मिक्स की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करेगी, जिससे सिन्टर मशीन-1 का निर्बाध संचालन संभव होगा।

महीनेभर से दो तीन दिन के अंतर से नलों में आ रहा पानी

रिसाली में गहराया पेयजल संकट, नगर निगम बेसुध

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

मानसून में जलाशयों में पर्याप्त पानी है। अभी गर्मी का मौसम भी नही है। लेकिन भिलाई के आधा हिस्से की जनता महीनेभर से पानी के लिए तरस रही है। वहीं नगर निगम रिसाली उदासीन बना हुआ है।

- इस्पात नगर, हिंद नगर, प्रगतिनगर और टंकी मरौदा में परेशानी

नगर निगम रिसाली क्षेत्र में महीनेभर से हजारों लोग पेयजल किल्लत का सामना कर रहे हैं। नलों में पानी आने का निर्धारित समय सुबह 7 बजे है। लेकिन नगर निगम पिछले महीनेभर से वार्डों में जलापूर्ति का समय भूल गया है। पानी दो, दो तीन तीन दिन नहीं आ रहा है। आ भी रहा है तो कभी दोपहर 12 बजे तो कभी 2 बजे और कभी शाम सात बजे जलापूर्ति की जा रही है। इससे महिलाओं बच्चों व कामकाजी लोगों को होने वाली दिक्कतों की कल्पना निगम के जिम्मेदार महसूस कर सकते हैं। पेयजल संक्ट की यह स्थिति रिसाली मड़ौदा बस्ती व रिसाली बस्ती के वीआईपी नगर, इस्पात नगर मैत्रीनगर, आशीष नगर, प्रगति नगर प्रियंका नगर और हिंद नगर, टंकी मड़ौदा आदि कालोनियों यानी नगर निगम रिसाली के अधिकतर वार्डों में यही स्थिति है। इस्पात नगर की संध्या दुबे बताती हैं कि कालोनी के लोग बीस पच्चीस दिन से पेयजल किल्लत झेल रहे हैं। शिकायत पर निगम के लोग उदासीन हैं। आशीष नगर के एनके सेन बताते हैं कि पेयजल किल्लत से पूरी गर्मी गुजर गई और अब बारिश में भी पानी को तरसना पड़ रहा है।

बोरिंग वालों को राहत

रिसाली निगम क्षेत्र की जिन कालोनियों के लोगों के घरों में बोर खनन हुआ है वे थोड़ी राहत में हैं। इनकी तादाद बहुत कम है। अधिकतर लोग नगर निगम के भरोसे हैं। ऐसे लोगों की भीड़ पानी के लिए बर्तन लेकर बोर वालें के घरों में लग रही है। यानी दोनों ही परेशान हैं। क्षेत्रवासियों ने बताया कि नगर निगम के अधिकारी और जन प्रतिनिधियों को हमारी परेशानी से कोई सरोकार नहीं रह गया है।

गुरु घासीदास सेवा समिति ने हेल्थ का रखा ध्यान, हुई निःशुल्क जांच

भिलाई। गुरु घासीदास सेवा समिति सतनाम भवन सेक्टर-6, भिलाई पंजीयन क्रमांक 5716 दुर्ग के तत्वावधान में गुरु घासीदास सेवा समिति, सतनाम भवन, सेक्टर-6 के तत्वावधान में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन समाज की सेवा और स्वास्थ्य जागरूकता के लिए किया गया। इस शिविर में लगभग 70 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ की जांच कराई और विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लेकर लाभ प्राप्त किया। शिविर में समाज की वरिष्ठ डॉक्टरों ने निशुल्क सेवाएं दी। इस शिविर में स्त्री रोग एवं निःसंतानता विशेषज्ञ डॉ. संगीता पात्रे, डॉ. रितु कुर्रे रायपुर, त्वचा रोग विशेषज्ञ एवं सीनियर रेजिडेंट पं. जे.एन.एम. मेडिकल कॉलेज, धनेश्वरी देशलहरे की टीम और हेल्थ एडवाइजर द्वारा मरीजों को लाभ मिला। इस दौरान सामाजिक सदस्यों ने समिति से हर माह शिविर का आयोजन नियमित रूप से किये जाने को कहा। जिससे समाज के सभी वर्ग लाभान्वित हो सके। गुरु घासीदास सेवा समिति के सदस्यों ने डॉक्टर्स की टीम का आभार व्यक्त करते हुए समाज में उनके योगदान को सराहा।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 22 जुलाई 2025

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

02

कीर्ति शेष राम मोहन स्मृति सम्मान से चार क्षेत्रों की विशिष्ठ महिलाएं हुई सम्मानित

लाइव इवेंट

सियान मंच और सेवानिवृत्त सदस्यों ने प्रकृति का श्रृंगार करने किया पौधारोपण

- कैलाश नगर कुरूद स्थित सियान सदन में किया पौधारोपण

भिलाई। कैलाश नगर कुरूद स्थित सियान सदन के वाचनालय के पास दादा-दादी, नाना-नानी उद्यान में बुजुर्गों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए एमआईसी सदस्य पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग नेहा साहू की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया।इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों द्वारा अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पेड़ों को संरक्षित रखने का संकल्प लिया गया। इस दौरान सियान मंच और सेवानिवृत्त एसीसी कर्मचारी कल्याण समिति के संरक्षक एच आर देवांगन, अध्यक्ष जे आर साहू, राजेंद्र सिंह, के वी राघवन, वाई के वर्मा, विश्वनाथ वर्मा, मदन यादव, एस सी चावला, बलविंदर सिंह, पी आर साहू, एस के जैन, एस के दास, टी जे राव, गणेश नंदी, शेख़ रज्जाक, एस के शुक्ल, पुरुषोत्तम साहू, जी प्रकाश, आर एन कुंडू, बी साहू, एस आर सोनी, जी पी कल्याणी, डी आर साहू, ओ पी श्रीवास्तव, गरीब साहू, श्यामला राव, ललिता साहू, वैजयंती साहू, लक्ष्मी हिरवानी, मालती साहू, मंजू साहू, पम्मी हिरवानी सहित अन्य उपस्थित थे।

सिटी इवेंट

सामाजिक समरसता कायम करने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

भिलाई। छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन महिला प्रकोष्ठ के द्वारा परमेश्वरी भवन प्रगति नगर रिसाली में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के बाद आयोजित सामाजिक समरसता कायम करने में महिलाओं का योगदान विषय पर संगोष्ठी की गई। संगोष्ठी में आधार वक्तव्य देते हुए महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश संयोजिका सुमन देवांगन ने कहा कि सामाजिक समरसता कायम करने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। मातृशक्ति ही परिवार एवं समाज में संस्कार एवं सामाजिक समरसता के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा समाज की महान अग्रणी महिलाएं सावित्री बाई फुले, मीराबाई, भगिनी निवेदिता, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, सरोजिनी नायडू, मिनी माता, सहोदरा माता, राजमाता जीजाबाई, माता कर्मा, माता हरिणी आदि ने अपने समय काल में सामाजिक जन-जागरण एवं समरसता के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है, जो आज हमारे पथ-प्रदर्शक हैं। हमें इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग, संप्रदाय का महत्व है। जब समाज के सभी वर्ग के लोग भेदभाव और आपसी वैमनस्य भुलाकर आपस में मिलकर कार्य करेंगे तभी सबका उन्नति एवं विकास होगा। इसके लिए महिलाओं को आगे आना होगा। संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिता वर्मा, पुष्पा यादव, कुमुद ताम्रकार, भूमिका देवांगन, उमा साहू, महेश्वरी देवांगन, माया साहू, संध्या साहू, कल्याणी देवांगन, राजकुमारी साहू ने भी सामाजिक समरसता कायम करने में महिलाओं की भूमिका को बताया। पूर्व में आयोजित महिला प्रकोष्ठ की बैठक में सभी ने संगठन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए शीघ्र ही महिला प्रकोष्ठ का विस्तार करते हुए प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर कार्यकारिणी गठित करने तथा महिलाओं के लिए तीज मिलन जैसे अन्य आयोजन समयानुसार करने का निर्णय लिया। आभार प्रदर्शन भूमिका देवांगन ने किया।

श्रीराम चौक खुर्सीपार में गणेश उत्सव की तैयारी, हुआ भूमिपूजन

भिलाई। श्रीराम चौक खुर्सीपार में नव जागृति गणेश उत्सव समिति द्वारा गणेश उत्सव की तैयारी के लिए सोमवार को भूमि पूजन किया गया। अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, शरद मिश्रा, प्रवीण कुमार, संगम यादव एवं समिति के समस्त पदाधिकारी विशेष रुप से मौजूद रहे। सदस्यों ने बताया कि इस बार बहुत ही भव्य पंडाल का निर्माण किया जा रहा है जो की मैसूर पैलेस के रूप में देखने मिलेगा एवं भारत के बहुत से प्रमुख तीर्थ स्थल इस एक स्थान पर ही लोग दर्शन कर सकेंगे। सिद्धिविनायक मंदिर मुंबई, जगन्नाथ पुरी, काशी विश्वनाथ मंदिर, केदारनाथ, बद्रीनाथ मंदिर, मथुरा वृंदावन, तिरुपति बालाजी मंदिर, रामेश्वरम, सोमनाथ मंदिर, अयोध्या राम मंदिर, माता बम्लेश्वरी मंदिर और खाटू श्याम मंदिर यह सभी विशेष आकर्षण के केंद्र रहेंगे।

● चातुर्मास स्थापना पर आर्यिका माता दुर्लभमति व अक्षयमती ने कहा- पुण्य उदय होने पर मिलता है साधुओं का सानिध्य

महिलाओं ने निकाली चातुर्मास शोभायात्रा, 108 कलशों को चार महीने तक किया जाएगा अभिमंत्रित, बच्चों ने दी धार्मिक प्रस्तुति

जैन समाज द्वारा नेहरू नगर जैन मंदिर में प्रथम चातुर्मास कलश स्थापना का आयोजन किया गया। महिलाओं द्वारा चातुर्मास कलश की शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर सुबह जैन युवा संघ द्वारा श्री जी के अभिषेक व मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ पूजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बढ़ चढ़ कर सहभागिता दिखाते हुए 108 कलशों को स्थापित किया। ध्वजारोहण कर अनेक धार्मिक आयोजन किये गए। चातुर्मास कलश चार माह तक मंदिर प्रांगण में रखा जाएगा। जिसे आर्यिका माताजी अपने साधना से मंत्रित करेंगी और चार माह के बाद सभी कलशों को पुण्यार्जक परिवार को दिया जाएगा।

भिलाई। मुकुट सप्तमी पर्व विशेष साप्ताहिक पूजन का संचालन अनेकान्त जैन और चातुर्मास स्थापना समारोह का ध्वजारोहण समाजसेवी अरविंद जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंच, संस्कृति ग्रुप, आराधना ग्रुप, जागृति मंच, बालक, बालिका मंडल, नवयुवक मंडल व जैन युवा संघ द्वारा आचार्य विद्यासागर महाराज को अष्ट द्रव्य समर्पित करते हुए पूजन किया गया। इस दौरान विविध सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। जिसमें संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर व आचार्य समयसागर महाराज के चित्र का अनावरण विभिन्न मंदिरों के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

चार माह तक मंदिर प्रांगण में रहेगा कलश

चातुर्मास कलश चार माह तक मंदिर प्रांगण में स्थापित रहेगा, जिसे प्रतिदिन आर्यिका माताजी द्वारा अपनी साधना से मंत्रित किया जायेगा। चार माह के बाद सभी कलशों को पुण्यार्जक परिवार के घरों या प्रतिष्ठान में उनके सुख शांति व समृद्धि की कामना सहित स्थापित किया जायेगा। जैन ग्रंथों में इन कलशों का विशेष महत्व बताया गया हैं, जिससे सम्पूर्ण कार्य व मनोरथ सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम में सभी सौभाग्यशाली परिवार व उपस्थित सभी गृहस्थ जीवन के सदस्यों का स्वागत व सम्मान किया गया। साथ ही नगर गौरव मुनि प्रणेय सागर व आर्यिका रजतमती माताजी के परिवार जनों को सम्मानित किया गया। इस चातुर्मास स्थापना कलश में छत्तीसगढ़ के समस्त मंदिरों से पदाधिकारी और काफी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। सामाजिक सदस्यों ने बताया कि संभवत यह पहला अवसर था जब सम्पूर्ण जैन समाज एक साथ किसी चातुर्मास कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। कार्यक्रम में नेहरू नगर जैन समाज के अध्यक्ष मनीत जैन, संरक्षक महावीर पाटनी, अशोक पहाड़िया, राजकुमार जैन, चातुर्मास संयोजक जितेन्द्र जैन, सचिव क्षितिज जैन, उपाध्यक्ष रमेश नाहर, कोषाध्यक्ष गौरव जैन, अजित जैन, सचिन जैनम, संदीप विद्याश्री सहित अन्य सामाजिक जनों ने शिरकत की।

पुण्य उदय होने पर मिलता है साधुओं का सानिध्य

चातुर्मास कलश स्थापना के अवसर पर आर्यिका माता दुर्लभमति व अक्षयमती ने अपने उद्बोधन मे कहा कि जब सबका पुण्य उदय में आता हैं तब जाकर साधूओं का चातुर्मास समाज को प्राप्त होता हैं। छत्तीसगढ़ में धर्म की लहर हैं तभी एक साथ 10 स्थानों पर चातुर्मास हो रहे हैं, यह भी एक इतिहास है। कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने श्रीफल समर्पित कर माता से आशीर्वाद प्राप्त किया।

समाजिक जनों को मिला धर्म लाभः सभी धर्मों में दान का विशेष महत्व माना जाता हैं। समर्पण भाव से आयोजन में चातुर्मास का मुख्य कलश स्थापित करने का सौभाग्य अरविन्द व कनिका जैन, क्षिप्रा व आशीष जैन परिवार को प्राप्त हुआ। सम्यक दर्शन कलश चेलना जैन, प्रियंका मनीत जैन, सम्यक ज्ञान कलश अलका संजय जैन, शिल्पा अनिल जैन परिवार, सम्यक चारित्र कलश अंजली यू एन जैन, मोनिका आयुष, शिवांगी उत्कर्ष जैन परिवार, आचार्य कलश वीरेंद्र कविता जैन, अमृषा चंद्रेश, रेणु हृदेश जैन परिवार रूआबांधा, अर्चना सम्यक जैन परिवार, बालचंद रूचि विकास जैन परिवार, आचार्य व जीवदया कलश लता नागेंद्र, समपर्ण निर्भय जैन परिवार को प्राप्त हुआ। बाल ब्रह्मचारी अंकित के निर्देशन में सभी धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

स्वास्थ्य परीक्षण कर ईएसआईसी का लाभ और शासन की योजनाओं की दी जानकारी

भिलाई। डीपीएस दुर्ग के बहुउद्देशीय सभागार में कर्मचारी राज्य बीमा निगम ईएसआईसी के शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल के कर्मचारियों का स्वास्थ परीक्षण कर ईएसआईसी के लाभ और शासन के योजनाओं की जानकारी दी गई। इस आयोजन में डॉ स्मृति दिवाकरण जनरल मेडिसिन, डॉ जी कुमुदीनि गायनोलॉजिस्ट, डॉ हरनाथ वर्मा मेडिसिन, डॉ आशुतोष प्रसाद ईएनटी और विद्यालय के प्राचार्य यशपाल शर्मा उपस्थित थे। शिविर का आयोजन ईएसआईसी शाखा कार्यालय, भिलाई के शाखा प्रबंधक नवलेश शर्मा, बंटी कुमार ओझा और मेघा वैष्णव सहित ईएसआईसी टीम

के मार्गदर्शन में किया गया था। ईएसआईसी के नवीनतम योजना स्प्रे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी। इस योजना का लाभ ऐसे नियोजको एवं संस्थानों को मिल सकेगा जहां 10 या 10 से अधिक लोग कार्य करते हो और वह आज तक पंजीयन नही करा सके हो। इस शिविर में उपस्थित डॉक्टरो द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा निगम ईएसआईसी के लाभों एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि यह योजना कर्मचारी एवं उनके परिवार को लाभान्वित एवं सुरक्षित करता है, जिससे व्यक्ति कम से कम व्यय या पूर्ण रूप से निशुल्क ईलाज प्राप्त करता है। प्राचार्य यशपाल शर्मा ने कहा कि कर्मचारियों को इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ दिलाने सभी को प्रोत्साहित किया जाएगा।

प्राचार्य ने सभी कर्मचारियों को कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य बीमा ईएसआईसी का लाभ लेने को कहा। इसके साथ ही डॉक्टरों की टीम ने सभी कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधित चर्चा की। शिविर के दौरान शारीरिक परीक्षण कर दवाई भी वितरित की गई।

प्रगतिशील लेखक संघ द्वारा आमदी विद्यालय में प्रेमचंद जयंती 31 को

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील लेखक संघ भिलाई दुर्ग के तत्वावधान में विश्व कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जयंती का आयोजन आमदी विद्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हुडको में 31 जुलाई को सुबह 10.30 बजे आयोजित है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रेमचंद की कालजयी कहानी बूढ़ी काकी का नाट्य मंचन करेंगे।

इस अवसर पर कथाकार की प्रसिद्ध रचना ठाकुर का कुआं सहित तीन रचनाओं के पाठ के साथ उनके कृतित्व व व्यक्तित्व पर विद्यार्थी विचार व्यक्त करेंगे। आयोजन में उपस्थित वरिष्ठ साहित्यकार छात्र, छात्राओं से प्रेमचंद और उनके साहित्य से संबंधित प्रश्नोत्तरी भी करेंगे। उक्ताशय की जानकारी देते हुए प्रगतिशील लेखक संघ भिलाई दुर्ग के अध्यक्ष परमेश्वर वैष्णव ने बताया कि प्रलेसं द्वारा विद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थियों में साहित्य पठन व लेखन की अभिरुचि बढ़ाने हर साल बच्चों के बीच प्रेमचंद जयंती का आयोजन किया जाता है। इस साल भी इस आयोजन को लेकर आमदी विद्यालय के बच्चों में खासा उत्साह हैं। प्रेमचंद जयंती कार्यक्रम में छात्र छात्राओं सहित विद्यालय की प्राचार्य और प्रलेसं के अनेक वरिष्ठ साहित्यकार उपस्थित रहेंगे।

सेक्टर-7 तालाब शिवधाम मंदिर में 28 जुलाई को मनाया जाएगा श्रावण महोत्सव

माता गौरी को श्रृंगार अर्पित कर दिया निमंत्रण, महिलाएं संभालेंगी व्यवस्था की बागडोर, वालेंटियर्स को दी जिम्मेदारी

कार्नर न्यूज

भिलाई। महादेव का प्रिय श्रावण मास के दूसरे सोमवार को सभी शिवालयों में हर-हर महादेव की गूंज सुनाई दी। इन अवसर पर अनेक मंदिरों व घरों में पंडितों द्वारा महारुद्राभिषेक कराकर बाबा को प्रसन्न किया गया। दूसरे सोमवार को विभिन्न स्थानों से कांवड़ यात्रा भी निकाली गई। तो कहीं विभिन्न समितियों द्वारा भव्य आयोजन किये गए। इसी कड़ी में शिवधाम सेवा समिति, सेक्टर 7 तालाब किनारे बने शिव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को होने वाले महारुद्राभिषेक के आयोजन के पहले माता गौरी को साड़ी, पायल, बिछिया सहित 16 श्रृंगार का सामान अर्पित कर सभी महिला वालेंटीयर्स को एक जैसी साड़ियां वितरित की गई।

शिवधाम सेक्टर 7 में होगा महारुद्राभिषेक

हर साल की तरह इस वर्ष भी सेक्टर-7 में श्रावण महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। शिवधाम सेवा समिति की महिलाएं इसकी तैयारी में जुटी हुई है। कार्यक्रम के आयोजक वरिष्ठ पार्षद लक्ष्मीपति राजू के मार्गदर्शन में शिवधाम समिति की महिलाओं द्वारा आयोजन के पूर्व आयोजन स्थल पर बने शिव परिवार के मंदिर में भोले बाबा व माता गौरी को वस्त्र व श्रृंगार का सामान, साड़ी सहित अन्य पूजन सामाग्री को विधिविधान के साथ अर्पित कर सोमवार को होने वाले आयोजन का प्रथम निमंत्रण दिया गया। इन दिनों बैकुंठ धाम, राज राजेश्वरी मंदिर पावर हाउस, नेहरु नगर भेलवा तालाब आदि शिव मंदिरों में पूरे सावन भर अनेक आयोजन कराएं जा रहे है। सेक्टर 2 राम भद्र सेवा मंडल के शिवालय में आचार्य पं संदीप तिवारी के मार्गदर्शन में विद्वान पंडितों द्वारा प्रत्येक सोमवार को अनुष्ठान संपन्न किए जा रहे है। 28 जुलाई सोमवार को महारुद्राभिषेक कर महाभंडारा, भजन संध्या व शाम को गंगा आरती की तर्ज पर 1501 थाल से महिलाओं द्वारा महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इस पूरे व्यवस्था की कमान समिति में 550 महिलाएं संभालेगी। जिसके लिए मंदिर परिसर व तालाब किनारे की सजावाट की जा रही है।

आयोजन का 10वां वर्ष, बढ़ी श्रद्धालुओं की संख्या

एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू ने बताया कि विगत 10 वर्षों से शिवधाम में महारुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन करते आ रहे हैं। जिसमे शहर के श्रद्धालु भगवान भोले बाबा के दर्शन और भंडारा में प्रसाद ग्रहण करने के लिए शिवधाम पहुंचते हैं। हर साल श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। इस वर्ष भी हजारों की तादात में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए समिति ने रुद्राभिषेक, भजन संध्या, महाभंडारा एवं गंगा आरती की रूपरेखा को अंतिम रुप देने में लगे हुए है।

पंद्रह सौ एक महिलाएं ड्रेस कोड में करेंगी महाआरती

आयोजकों ने जानकारी देते हुए बताया कि सुबह 7 बजे महारुद्राभिषेक विद्वान पंडितों दवरा किया जाएगा। 11 बजे से 25 हजार भक्तों के लिए महाभंडारे की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। शाम को 6.30 बजे से पंद्रह सौ एक महिलाओं द्वारा गंगा आरती की तर्ज पर महाआरती की जाएगी। जो लोगो की आस्था व आकर्षण का केंद्र रहेगी।

धर्म लाइव

12 ज्योतिर्लिंगों का पंच द्रव्यों से किया महारुद्राभिषेक, श्रृंगार कर की भस्म आरती

भिलाई। अग्रवाल समाज के तत्वावधान में सर्वजन कल्याण के लिए समाज द्वारा पहली बार 12 ज्योतिर्लिंगों का दिव्य रुद्राभिषेक किया गया। इस दौरान प्रत्येक ज्योतिर्लिंग में समाज के तीन विवाहित जोड़ों ने पंच द्रव्यों से महा अभिषेक और श्रृंगार कर उज्जैन महाकाल की तर्ज पर भस्म आरती की गई। अग्रवाल समाज के संरक्षक सुधीर अग्रवाल, कैलाश रुंगटा, अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल एवं महासचिव ललित सक्सेरिया ने बताया कि सर्वजन कल्याण के लिए अग्रवाल समाज द्वारा पहली बार 12 ज्योतिर्लिंगों का दिव्य रुद्राभिषेक विद्वान पंडित अभिषेक शर्मा सहित 7 पंडित द्वारा पूरे विधि विधान से रुद्राभिषेक कराया गया। रुद्राभिषेक में दूध, दही, घी, शक्कर, शहद, गंगाजल, गन्ना रस से अभिषेक कर विशेष श्रृंगार किया गया। पूजा के दौरान पंडितों ने मंत्रोच्चार करते हुए किस पदार्थ को चढ़ाने से कौन से फल की प्राप्त होती है इसका भी विवरण भी बताया।समाज के वरिष्ठ कमल नारायण रुंगटा, महेंद्र सक्सेरिया और सत्य प्रकाश बंसल ने बताया कि शिव तांडव श्लोक के साथ तांडव नृत्य का भी आयोजन किया गया। अंत में भगवान शिव की दिव्य महा आरती की गई। भोलेनाथ को विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाकर समाज के उपस्थित भक्तों को महाप्रसादी वितरित की गई। रुद्राभिषेक के इस आयोजन में कार्यक्रम प्रभारी मंजू किशोर रूंगटा, श्वेता पप्पू रुंगटा, राजरानी गिरीश अग्रवाल, मनीषा सतीश अग्रवाल, नीतू शरद गर्ग, वंदना राजेश गुप्ता, संध्या राकेश गुप्ता का समाज द्वारा इन सभी जोड़ों को दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया।

● छत्तीसगढ़ राज्य सब जूनियर अंडर 15 फिडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप का हुआ समापन

शतरंज की चाल खेलते हुए ईशान और परिधि ने चैंपियनशिप 2025 में बनाई जगह, राष्ट्रीय स्पर्धा में दिखाएंगे अपना हुनर

भिलाई। ऑल इंडिया चेस फेडरेशन छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन तथा अग्रसेन जन कल्याण समिति एवं अग्रसेन महिला समिति भिलाई के तत्वावधान में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा सेक्टर 6 भिलाई स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य सब जूनियर अंडर 15 बालक एवं बालिका वर्ग फिडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप 2025 के बालक वर्ग में कोरबा के प्रभमन सिंग ने 9 में से 8 अंक प्राप्त कर तथा बालिका वर्ग में रायपुर की तनिषा ड्रोलिया ने 6.5 अंक प्राप्त कर राज्य चैंपियन बने। प्रदेश शतरंज संघ के महासचिव विनोद राठी के मार्गदर्शन एवं देखरेख में संपूर्ण प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में अग्रसेन जन कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष बंशी अग्रवाल, समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा, अंतराष्ट्रीय महिला खिलाड़ी विक्रम अवॉर्डी किरण अग्रवाल, निर्मला राठी, इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े एवं जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत उपस्थित थे। ईश्वर सिंह राजपूत व तुलसी सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 213 खिलाड़ियों ने भाग लिया। बालक वर्ग में 159 और बालिका वर्ग में 53 खिलाड़ी में से 50 रेटेड खिलाड़ी शामिल थे।

अंडर 13 के विजताओं को दिया मैडल

केटेगरी पुरस्कार में अंडर 7 बालक वर्ग में प्रथम पारस यादव, द्वितीय रिसान वर्मा बालिका वर्ग में सांभवी सिंह, आमंदी साईं, अंडर 9 बालक वर्ग में आकांक्षित साहू, तारिणी मोक्ष, बालिका वर्ग में स्वरा बोखारडे, अनीका रेड्डी, अंडर 11 बालक वर्ग में वी विराट अय्यर, अक्ष मिंज, बालिका वर्ग में सावी गौरी, रिदिमा त्रिपाठी, अंडर 13 बालक वर्ग में सजल चंद्राकर, देवांश जैन, बालिका वर्ग में सुकृति शर्मा, अदिति आदित्य एवं बेस्ट अनरेटेड प्लेयर अमृतेश उपाध्याय, बेस्ट बस्तर प्लेयर मयंक श्रीवास्तव तथा बेस्ट सरगुजा खिलाड़ी अमन सिंह को मोमेंटो तथा भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा मेडल प्रदान किया गया।

निर्णायकों की रही अहम भूमिका

स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े, फिडे आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं सुभाष बसोने, हर्ष शर्मा थे। सीनियर नेशनल आर्बिटर विकास शर्मा, अनिल शर्मा, मुदिता पांडे, तरुण सारथी, विक्रम सिंह, हर्ष मानकर, सद्दाम हुसैन निर्णायक थे। आयोजन में विकास शर्मा, चित्रांश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, इम्तियाज मेमन, दिनेश जैन, ललित वर्मा, गुलाब चौहान का योगदान रहा। इस अवसर पर अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

विजेताओं को मिली ट्राफी और नकद पुरस्कार

अंडर 15 के बालक वर्ग में प्रथम स्थान कोरबा के प्रभमन सिंग को विजेता ट्रॉफी और 6 हजार रु नगद, द्वितीय रायपुर के आलोक कनौजे को 5 हजार रु व ट्रॉफी, तृतीय दुर्ग के ईशान सैनी को 4 हजार रु, चतुर्थ रायपुर के भव्यम झावर 3 हजार रु और ट्रॉफी दी गई। बालिका वर्ग में प्रथम स्थान तनिषा ड्रोलिया रायपुर, द्वितीय परिधि लिलहरे दुर्ग 5 हजार रुपए नगद व ट्रॉफी, तृतीय रायपुर अंशिका मिंज, चतुर्थ प्रतिष्ठा अहिरवार को नगद राशि और ट्रॉफी प्रदान की गई। ये सभी चयनित खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय स्पर्धा में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। बालक वर्ग में पांचवें स्थान पर अद्वैत पांडे रायपुर, छठवां विवान रॉय, पांचवा इशिका मड़के दुर्ग, छठवां अद्विका पांडे रायपुर रही।

सिटी लाइव

मॉडर्न आर्ट चित्रकार और मूर्तिकारों की प्रदर्शनी देख विद्यार्थी हुए उत्साहित

भिलाई। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रानीतराई में मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस.विद्यार्थी और मूर्तिकार डॉ अंकुश देवांगन की विश्वस्तरीय कला प्रदर्शनी के साथ ही नई पीढ़ी की उभरती कलाकार युक्ता की भी कला प्रदर्शनी लगाई गई। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से डीपीएस दुर्ग के आर्ट शिक्षक बृजेश तिवारी शामिल हुए, जिन्होंने छात्र-छात्राओं को कला के बारीकियों से रूबरू कराया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य कल्याणी देवांगन संयोजक ललित ठाकुर, विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता लीना बंछोर, विनवा साहू, संगीता चंद्राकर, कल्पना त्रिपाठी, नीरज सचदेव, नईम खान सहित विद्यालय के सभी स्टाफ उपस्थित थे।

एक दिवसीय कला प्रदर्शनी के सह प्रशिक्षण कार्यशाला में विद्यार्थी के 25, अंकुश देवांगन के विश्व की सबसे छोटी मूर्तियां एवं चावल के दोनों पर पेन्टिंग के साथ ही नवोदित चित्रकार युक्ता की बनाई पेंटिंग ने छात्र छात्राओं का मन मोह लिया। इन चारों कलाकारों ने बच्चों को निशुल्क चित्रकला का प्रशिक्षण दिया और बताया कि कैसे न्यूनतम संसाधनों में भी अपने मन की कल्पना को कैनवास पर चरितार्थ किया जा सकता है। डीएस विद्यार्थी ने भगवान कृष्ण की पूजा करती महिला की पेन्टिंग, बृजेश तिवारी ने महात्मा गांधी की पेन्टिंग तथा युक्ता ने चिड़ियों की पेन्टिंग बनाई। वहीं डॉ.अंकुश देवांगन ने जब मिनटों में छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों की हूबहू पेन्टिंग बना दिया तो हर कोई अवाक रह गए।

ऐसे समय में कलाकारों ने वर्तमान तनाव से भरी दुनिया में कला के माध्यम से पढ़ाई के स्ट्रेस को कैसे दूर किया जाए इसके उपाय भी बच्चों को बताए। छात्र-छात्राओं की कला से संबंधित जिज्ञासा को भी कलाकारों ने प्रोफेशनल तरीके से शांत किया। विद्यार्थियों के साथ ही विद्यालय के सभी स्टाफ ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम में चारों कलाकारों के सहयोग और विद्यार्थियों के उत्साह को देखते हुए आगे भी कार्यशाला आयोजित किये जाने को कहा गया।

भिलाई में बहती है समरसता की बयार

कीर्ति शेष राम मोहन स्मृति सम्मान से चार क्षेत्रों की विशिष्ठ महिलाएं हुई सम्मानित

भिलाई। अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था के तत्वावधान में कीर्तिशेष राम मोहनन स्मृति सम्मान 2025 का आयोजन किया गया। कीर्ति शेष सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल और प्रो डी एन शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत स्व. राम मोहनन के तैल चित्र पर पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर की गई। स्व. राम मोहनन की स्मृति में आयोजित कीर्ति शेष राम मोहनन स्मृति सम्मान के अवसर पर उनकी धर्मपत्नी शानू मोहनन ने उनके जीवन के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को लेकर उनकी जीवनी का वाचन करते हुए बताया कि 1959 में केरल से भिलाई आकर स्व राम मोहनन द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र के श्रमिकों के कल्याण के लिए किये गये कार्यों का उल्लेख किया। शिक्षाविद् डॉ डी एन शर्मा ने अपने उद्बोदन में कीर्तिशेष राम मोहनन के द्वारा अपने जीवन काल में 60 बार रक्तदान करने, अपने नेत्र दान करने तथा मृत्यु उपरांत देह दान करने जैसे मानव सेवा की अनुकरणीय पहलुओं का उल्लेख किया। कीर्ति शेष राम मोहनन स्मृति सम्मान के लिए चार विभूतियों को उनके कार्य क्षेत्र के लिए सांसद विजय बघेल, प्रोफेसर डी.एन. शर्मा और शानू मोहनन द्वारा सम्मानित किया गया।

कीर्ति शेष राम मोहनन स्मृति सम्मान राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित लोक गायिका रजनी रजक, महिला उत्थान के क्षेत्र में पोलम्मा, काव्य और मातृशक्ति के रूप में विजयलक्ष्मी, शिक्षा के क्षेत्र में कैरियर गाइडेंस के लिए डॉ मिट्टू को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रजनी बघेल, डॉ. हंसा शुक्ला, केरला समाज के प्रेसिडेंट मोहम्मद, मीना बिस्ट, सागरिका पाढ़ी, ममता गोस्वामी, प्रदीप भट्टाचार्य, अनील उपाध्याय, डी.पी. देशमुख, अब्राहिम सर, रत्ना नारमदेव, विजय वर्धमान, उर्मिला उपाध्याय, ई डी शतीशन, सोमेश त्रिवेदी, सुनंदा चंद्राकार, मनोरमा शर्मा, रिंकू, प्रशांत कानसकर, मधु नायर, आकांक्षा शर्मा, डॉ. शीतल शर्मा, विवेक प्रकाश शर्मा सहित कई वरिष्ठ लोगो की उपस्थिति रही। आयोजक शानू मोहनन द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

आर्टकॉम संस्था ने चलाया अभियान

इंडस्ट्रियल एरिया हथखोज में किया पौधारोपण प्रकृति और जल संरक्षण का लिया संकल्प

भिलाई। छत्तीसगढ़ की कला और पर्यावरण के प्रति समर्पित संस्था आर्टकॉम हर आँगन एक पेड़ और हर आँगन वाटर हार्वेस्टिंग के अभियान के तहत रविवार को इंडस्ट्रीयल क्षेत्र के प्रांगण में वृक्षारोपण किया और उसे संरक्षित करते हुए ट्री गार्ड भी लगाये। संस्था संचालक निशु पाण्डेय ने बताया कि इस वर्ष हम हर आंगन वाटर हार्वेस्टिंग कि आवश्यकता को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहें हैं। भूमिगत जल स्तर का निरंतर घटना एक वैश्विक समस्या को जन्म दे रहा हैं। विकराल हो रही समस्या के निवारण के लिए आर्टकॉम संस्था अपनी पूरी टीम के साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर रही हैं। आर्टकॉम संस्था के पूरे सदस्यों ने वृक्षारोपण के दौरान इस अभिमान के कार्य को आगे बढ़ाते हुए तीव्रता देने का महत्पूर्ण निर्णय लिया। जिसमें संस्था को भिलाई के लिए नया अध्यक्ष गुरनाम सिंह और अमिताभ भट्टाचार्य को मिडिया सलाहकार बनाने की घोषणा की गई। अभियान के कार्यो को देखते हुए उद्योगपतियों ने अभियान को हर औद्योगिक संस्थान तक पहुंचाने व सहयोग करने की बातें कहीं।

हर आंगन एक पेड़ अभियान में जुटे लोग

इस अवसर पर ज्योति कांत अग्रवाल, सुरजन कुमार, कृष्णा, भगवान अग्रवाल, विष्णु गोयल, नन्द अग्रवाल, शोभित सिंघल, अनिकेत सिंघल, करमजीत सिंह, रमेश श्रीवास्तव, मोहन राव, अमिताभ भट्टाचार्य, मेघा कौर, श्रीनाथ, काजल साहा, भास्कर तिवारी सहित अन्य उपस्थित थे।

माउंट आबू से डॉ.बीके शक्तिराज ने 'स्मृति से सिद्धि' पर कराया मेडिटेशन

सिटी इवेंट

पं प्रदीप मिश्रा की कथा 30 से, डिप्टी सीएम और मंत्री को दिया आमंत्रण

भिलाई। धार्मिक संस्था बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा लगातार दूसरी बार सावन के महीने में अंतराष्ट्रीय कथा वाचक पं प्रदीप मिश्रा के शिव महापुराण कथा को आयोजन भिलाई के जंयती स्टेडियम में किया गया है। 30 जुलाई से 5 अगस्त तक आयोजित कथा के लिए जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। इसी कड़ी में आयोजक पार्षद दया सिंह ने शिव महापुराण कथा का आमंत्रण कार्ड डिप्टी सीएम अरुण साव और महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े से मुलाकात कर दिया और उन्होंने कथा में आने की बात कही।

कार्नर न्यूज

सभी समस्याओं का समाधान हमारे भीतर, मन में सभी शक्तियां छिपी हुई हैं, बुरे विचारों का करे अग्नि संस्कार

भिलाई। ब्रह्माकुमारीज दुर्ग के बघेरा स्थित आनंद सरोवर के कमला दीदी सभागार में ब्रह्माकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से आए हुए अंतरराष्ट्रीय माईंड पावर एवं मेमोरी मैनेजमेंट ट्रेनर डॉ.बी.के. शक्तिराज दवरा स्मृति से सिद्धि स्वरूप एक दिवसीय क्रिएटिव योग भट्ठी का आयोजन किया गया। अतिथियों का स्वागत तिलक व पुष्प गुच्छ द्वारा किया गया। योग भट्ठी की शुरुआत अतिथि डॉ. बी.के शक्तिराज, अशोक राठी, अटल गोदवानी, ज्ञानचंद पाटनी, ब्रह्माकुमारी दुर्ग संचालिका रीटा, वरिष्ठ राजयोगी शिक्षिका ब्रह्माकुमारी रूपाली बहन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

10 लाख से अधिक लोगों को माइंड एवं मेमोरी मैनेजमेंट का प्रशिक्षण दे चुके

ब्रह्माकुमारी रीटा ने आए हुए अतिथियों एवं योग भट्ठी में सम्मिलित हुए ब्रह्माकुमारीज दुर्ग के भिन्न-भिन्न सेवाकेंद्रों व सूदूर ग्रामीण अंचल से आये हुए सदस्यों का स्वागत किया। ब्रह्मकुमारी रूपाली ने काव्यात्मक मंच संचालन किया। 33 वर्ष के आयु में ही दो वर्ल्ड रिकॉर्ड प्राप्त ब्रह्माकुमार शक्तिराज ने 10 लाख से अधिक लोगों को माईंड एवं मेमोरी मैनेजमेंट का प्रशिक्षण दे चुके है।

तन और मन का रखें सामंजस्य

डॉ शक्तिराज ने स्मृति से सिद्धि स्वरूप क्रिएटिव योग भट्ठी में तन और मन के अनोखे सामंजस्य के विषय में बताया। उन्होंने वृत्तांत के माध्यम से बताया कि परमात्मा ने सृष्टि की रचना की, तो ऐसे लगा मानव को ऐसी शक्ति प्रदान कर दिए हैं जिससे उसमें अहंकार आ जाएगा तो वह शक्ति कहां छिपाएं, जिससे वह ढूंढ ना पाए तो परमात्मा ने सभी शक्तियां मन के अंदर छिपा दी और आज मनुष्य बाह्य जगत में ढूंढता फिर रहा है। अब परमात्मा ने आकर बताया कि सर्व शक्तियां आपके मन के अंदर है। इसलिए कहा जाता है कि मन के हारे हार है और मन के जीते जीत। क्रिएटिव मेडिटेशन के द्वारा शारीरिक और मानसिक एक्सरसाइज से लोगों को परमात्मा के सानिध्य और उमंग उत्साह की ऐसी अनुभूति कराया कि लोग पूरे समय उमंग व उत्साह से झूमने लगे। इसी श्रृंखला में समाज के सभी वर्गो के लिए ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में मंगलवार को शाम 6 बजे सुपर माईंड सुपर फ्यूचर श्रेष्ठ मन- श्रेष्ठ भविष्य विषय पर निःशुल्क व्याख्यान व ट्रेनिंग का आयोजन किया गया है।

ज्योतिष

कितने दिनों के बाद उतार देना चाहिए कलाई में बंधा कलावा, क्या करना चाहिए

रक्षासूत्र या कलावा को हिंदू धर्म में सुख-समृद्धि का कारक माना जाता है। मान्यता है कि, इसे कलाई में बांधने से सकारात्मकता बनी रहती है। वैदिक परंपरा में कलावा पहनने और उतारने के नियम भी बताए गए हैं। हिंदू धर्म में लाल और पीले रंग के कलावा, रक्षासूत्र या मौली का प्रयोग पूजा-पाठ या धार्मिक अनुष्ठान आदि के दौरान किया जाता है. भारतीय संस्कृति में यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। पूजा के दौरान इसे हाथ में बांधना भी शुभ माना जाता है। हिंदू धर्म में लाल और पीले रंग के कलावा, रक्षासूत्र या मौली का प्रयोग पूजा-पाठ या धार्मिक अनुष्ठान आदि के दौरान किया जाता है। भारतीय संस्कृति में यह परंपरा सदियों से चली आ रही है. पूजा के दौरान इसे हाथ में बांधना भी शुभ माना जाता है।

लाल-पीले रंग का ग्रहों से संबंध : कलावा का लाल और पीले रंग का संबंध ज्योतिष में मंगल और गुरु से बताया गया है। कलावा का लाल रंग ऊर्जा और समृद्धि को बढ़ाता है। वहीं पीला रंग रक्षा करता है और उन्नति में सहायक होता है। कलावा का लाल रंग ऊर्जा और समृद्धि को बढ़ाता है. वहीं पीला रंग रक्षा करता है और उन्नति में सहायक होता है।

कलावा बांधने और उतारने के कुछ नियम : कलावा बांधने और उतारने के कुछ नियम भी हैं जैसे कलावा बांधने के कितने दिन बाद इसे उतारना चाहिए। कलावा उतारने के बाद क्या करना चाहिए। नियमों का पालन न करने पर कलावा के शुभता का प्रभाव कम हो सकता है। ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि, कलावा का सकारात्मक प्रभाव 21 दिनों के बाद समाप्त हो जाता है। इसलिए कलावा को 21 दिन बाद कलाई से उतार देना चाहिए और फिर किसी शुभ मुहूर्त में दोबारा से आप नया कलावा कलाई पर बांध सकते हैं।

21 दिन के बाद कलावा का नकारात्मक प्रभाव : कई लोग महीनों तक कलाई में कलावा बांधे रहते हैं या फिर पुराने कलावा के ऊपर ही नया कलावा बांध लेते हैं, जोकि उचित नहीं है। 21 दिनों से अधिक समय तक कलावा हाथ में बंधे रहने पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ने लगता है। कलावा कच्चे सूत का बना होता है और बड़ी आसानी से प्रकृति में मिल जाता है। इसलिए 21 दिन बाद कलाई से कलावा उतारकर किसी अशुद्ध स्थान पर फेंकने के बजाय आप इसे गमले की मिट्टी में दबा दें।

नाग पंचमी पर शिवलिंग पर चढ़ाएं ये खास चीजें, मिलेगी कालसर्प दोष से मुक्ति

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर वर्ष सावन माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह दिन नाग देवता और भगवान शिव की पूजा के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है। इस वर्ष यह पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता है कि यदि इस दिन श्रद्धा और विधिपूर्वक नाग देवता की पूजा की जाए, तो भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है और साथ ही व्यक्ति को कालसर्प दोष से भी मुक्ति मिल सकती है।

नाग पंचमी का पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है बल्कि यह एक अवसर है शिव कृपा पाने का और जीवन की बाधाओं से छुटकारा पाने का। यदि श्रद्धा और नियमपूर्वक भगवान शिव की पूजा की जाए, तो न केवल कालसर्प दोष से मुक्ति मिल सकती है, बल्कि जीवन में शांति, समृद्धि और सफलता भी प्राप्त होती है।

नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर क्या चढ़ाना चाहिए : नाग पंचमी पर भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का महत्व है। विशेष रूप से शिवलिंग पर कुछ खास चीजें चढ़ाना बहुत ही फलदायक माना जाता है। नीचे बताया गया है कि कौन-कौन सी चीजें इस दिन चढ़ानी चाहिए।

शहद: नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर शुद्ध शहद चढ़ाना बहुत शुभ माना गया है। शहद चढ़ाने से धन लाभ होता है, परीक्षाओं में सफलता मिलती है, स्वास्थ्य अच्छा रहता है, रोगों से मुक्ति मिलती है।

कच्चा दूध: अगर आपकी कुंडली में कालसर्प दोष है, तो नाग पंचमी के दिन कच्चा गाय का दूध शिवलिंग पर चढ़ाना चाहिए। यह उपाय करने से कार्य में सफलता मिलती है, रुके हुए काम पूरे होते हैं, कालसर्प दोष का प्रभाव कम होता है, ब्राह्म मुहूर्त में दूध चढ़ाना विशेष फलदायक होता है।

धतूरा: धतूरा भगवान शिव का प्रिय फूल माना जाता है। नाग पंचमी के दिन धतूरा चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं, मनोकामना पूर्ण होती है।

बेलपत्र: बेलपत्र को भोलेनाथ का अत्यंत प्रिय पत्र माना जाता है। नाग पंचमी पर बेलपत्र अर्पित करने से आर्थिक तंगी से मुक्ति मिलती है, धन-समृद्धि बढ़ती है, घर में सुख-शांति आती है।

अक्षत, चंदन और फूल: नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर अक्षत (साबुत चावल), चंदन और फूल चढ़ाना भी बहुत शुभ होता है। चंदन से शिवलिंग पर त्रिपुंड (तीन रेखाएं) बनाएं इससे शिव जी की विशेष कृपा प्राप्त होती है, शारीरिक और मानसिक शांति मिलती है।

काले तिल: नाग पंचमी के दिन पानी में काले तिल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करना विशेष रूप से लाभकारी होता है। ऐसा करने से कालसर्प दोष से छुटकारा मिलता है नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में सकारात्मक वातावरण बनता है।

बच्चों की सेहत और दिमाग के विकास के लिए सुबह का नाश्ता बहुत जरूरी है

बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए झटपट तैयार करें पौष्टिक बेस्ट नाश्ते, पेरेंट्स करें जरूर ट्राई

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे की सेहत और दिमाग दोनों बेहतर बने। इसके लिए वे बच्चों को पौष्टिक और हेल्दी डाइट देने की पूरी कोशिश करते हैं। लेकिन अक्सर यह सोच कर कन्फ्यूज हो जाते हैं कि सुबह के नाश्ते में ऐसा क्या दिया जाए जो बच्चों के दिमाग को तेज करे और उनके शारीरिक विकास में मददगार भी हो। बच्चों की सेहत और दिमाग के विकास के लिए सुबह का नाश्ता बहुत जरूरी है। इन्हें अपनी दिनचर्या में शामिल करें और बच्चों को दें एक बेहतर भविष्य की शुरुआत। हम आपके लिए लेकर आए हैं देसी नाश्तों की लिस्ट जिन्हें रिसर्च भी बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए फायदेमंद मानती है।

फाउंडर श्वेता गांधी की सलाह

मूंग की दाल से बना चीला: विशेषज्ञों के अनुसार, सबसे पहला नाश्ता है मूंग दाल का चीला जिसमें पनीर की स्टफिंग हो और जिसे घी में हल्का भुना गया हो। यह नाश्ता प्रोटीन, आयरन और फाइबर से भरपूर होता है, जो बच्चों के दिमाग की बढ़त और फोकस के लिए बहुत अच्छा है।

बेसन का चीला: दूसरे नंबर पर है बेसन का चीला, जिसे हरी चटनी के साथ दिया जाता है। यह भी प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है। यह नाश्ता बच्चों की गट हेल्थ को मजबूत करता है और दिमागी विकास में सहायक होता है।

इडली-सांभर: तीसरे स्थान पर है दक्षिण भारतीय क्लासिक नाश्ता – इडली-सांभर। इसे घी और नारियल की चटनी के साथ दिया जाता है। इडली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, सांभर में फाइबर और कई सब्जियां होती हैं, जबकि नारियल की चटनी में अच्छे फैट होते हैं। यह नाश्ता बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए बढ़िया माना जाता है।

एग भुर्जी या पनीर भुर्जी: अगर बच्चा अंडा खाता है, तो एग भुर्जी एक बढ़िया विकल्प है। और अगर अंडा नहीं खाता, तो पनीर भुर्जी भी उतनी ही हेल्दी होती है। ये दोनों नाश्ते बच्चों के दिमाग के विकास और बेहतर कॉग्निटिव फंक्शन के लिए फायदेमंद हैं।

रिसर्च ने भी माना है देसी नाश्तों का फायदा

इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स (2021) की रिपोर्ट के अनुसार, इडली, डोसा, पोहा और वेज पराठा जैसे पारंपरिक भारतीय नाश्ते बच्चों के लिए संतुलित डाइट का हिस्सा होते हैं। ये नाश्ते कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और जरूरी पोषक तत्वों का बेहतरीन संयोजन देते हैं। इससे बच्चों के दिमाग और शरीर दोनों का विकास अच्छा होता है।

बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए सही नाश्ता जरूरी

ब्रेन डेवलपमेंट के लिए संतुलित आहार बहुत महत्वपूर्ण होता है। ऊपर बताए गए नाश्ते न सिर्फ पौष्टिक होते हैं, बल्कि बच्चों की एकाग्रता, याददाश्त और शारीरिक विकास में भी मदद करते हैं। इसलिए, अगली बार जब बच्चों के लिए नाश्ता बनाएँ तो इन पारंपरिक और पौष्टिक विकल्पों को जरूर शामिल करें।

पहली बार प्रेग्नेंट हैं तो जान लें कंसीव करने के बाद कितने महीने से दिखना शुरू होता है पेट

जब कोई महिला पहली बार मां बनने वाली होती है तो उसके लिए हर बदलाव नया और खास होता है। खासतौर पर शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर बहुत सी बातें और सवाल मन में आते हैं। पहली बार प्रेग्नेंट महिला के लिए यह जानना जरूरी होता है कि बेबी बंप कब और कैसे दिखना शुरू होता है। इस लेख में हम विस्तार से बताएंगे कि पहली बार मां बनने पर बेबी बंप कब नजर आने लगता है और इसके बारे में क्या-क्या बातें समझनी चाहिए।

हर किसी का समय अलग-अलग, घबराएं नहीं : पहली बार मां बनने वाली महिलाओं के लिए बेबी बंप दिखना एक खास और यादगार पल होता है। हालांकि यह हर किसी में अलग-अलग समय पर होता है, लेकिन इसे लेकर घबराने की जरूरत नहीं होती। सही खान-पान, आराम और डॉक्टर की देखरेख से स्वस्थ गर्भावस्था सुनिश्चित की जा सकती है। इसलिए, धैर्य रखें और अपने शरीर के बदलावों का आनंद लें।

बेबी बंप कब दिखना शुरू होता है : आमतौर पर पहली बार मां बनने वाली महिलाओं में बेबी बंप 12 से 16 सप्ताह के बीच दिखने लगता है। हालांकि यह समय हर महिला के शरीर, वजन और शारीरिक बनावट के अनुसार अलग-अलग हो सकता है। कुछ महिलाओं को पहले ही 12 सप्ताह में बंप दिखने लगता है, तो कुछ में यह 16 से 20 सप्ताह तक भी नहीं दिखता।

शरीर में बदलाव का कारण : प्रेग्नेंसी के दौरान गर्भाशय में बच्चे के विकास के कारण पेट का आकार धीरे-धीरे बढ़ने लगता है। शरीर में हार्मोनल बदलाव भी होते हैं जो पेट के मसल्स और स्किन को फैलने में मदद करते हैं। यही कारण है कि धीरे-धीरे बेबी बंप दिखने लगता है।

पहली बार बंप क्यों देर से दिखता है : पहली बार मां बनने वाली महिलाओं में पेट की मसल्स काफी टाइट होती हैं, इसलिए बेबी बंप जल्दी नहीं दिखता। दूसरी या तीसरी बार प्रेग्नेंसी में मसल्स पहले ही थोड़ा फैल चुके होते हैं, इसलिए बंप जल्दी नजर आता है। इसलिए पहली बार गर्भवती महिलाओं को थोड़ा धैर्य रखना पड़ता है।

बेबी बंप दिखने का असर कपड़ों पर

जैसे ही बेबी बंप दिखना शुरू होता है, महिलाओं को अपने कपड़ों में बदलाव करना पड़ता है। टाइट फिट कपड़े या कमर के पास कसने वाले कपड़े पहनने में असुविधा हो सकती है। इसलिए आरामदायक और फ्लोई कपड़े पहनना बेहतर रहता है।

शरीर के साथ मानसिक बदलाव भी आते हैं : जब बेबी बंप दिखने लगता है, तब महिलाओं के अंदर मां बनने की भावना और भी गहराती है। इस समय महिलाओं को मानसिक रूप से भी संभालना जरूरी होता है, क्योंकि कई बार शरीर में बदलाव के कारण चिंता या तनाव भी हो सकता है।

डॉक्टर से नियमित जांच जरूरी : बेबी बंप दिखने के बाद गर्भावस्था की नियमित जांच बेहद जरूरी होती है। इससे बच्चे के विकास की सही जानकारी मिलती है और मां की सेहत भी बनी रहती है। डॉक्टर की सलाह से सही डाइट और एक्सरसाइज भी की जानी चाहिए।

प्याज काटते समय आंसू और जलन से बचने के आसान और प्रभावी तरीके

प्याज काटना हर रसोई में रोजमर्रा का काम होता है लेकिन प्याज काटते वक्त आंखों में जलन होना और आंसू आना बहुत आम समस्या है। इसका कारण है प्याज में मौजूद एक रसायन जिसका नाम है सिं-प्रोपेनेथियल-एस-ऑक्साइड। यह रसायन हवा में मिलकर हमारी आंखों तक पहुंचता है और जलन पैदा करता है, जिससे हमारे आंसू निकलने लगते हैं। अब प्याज काटते समय आंसू आने की चिंता करने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान और प्रभावी तरीके हैं जिनसे आप बिना किसी परेशानी के प्याज काट सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप जलन और आंसू से बच सकते हैं और आराम से काम पूरा कर सकते हैं।

ठंडे पानी में प्याज भिगोना : सबसे आसान तरीका है प्याज को काटने से पहले 15 से 30 मिनट तक ठंडे पानी में भिगो देना। आप चाहें तो प्याज को फ्रिज में भी रख सकते हैं। ठंडा पानी प्याज के अंदर मौजूद रसायन को कम एक्टिव कर देता है, जिससे यह हवा में कम फैलता है। इसका असर यह होता है कि रसायन आंखों तक नहीं पहुंच पाते और जलन नहीं होती।

पानी के नीचे प्याज काटना : अगर आपके पास प्याज भिगोने का समय नहीं है, तो दूसरा तरीका है प्याज को बहते पानी के नीचे काटना। इसके अलावा आप एक बड़े कटोरे में पानी भरकर उसमें प्याज डालकर भी काट सकते हैं। पानी रसायन को हवा में फैलने से रोकता है और उसे अपने अंदर घोल लेता है। इससे आपकी आंखों को कोई नुकसान नहीं होता। हालांकि, इस तरीके में प्याज थोड़ा फिसलन भरा हो सकता है, इसलिए सावधानी से काटें।

तेज धार वाला चाकू इस्तेमाल करें : यह तरीका साधारण लगता है, लेकिन असर बहुत होता है। तेज चाकू से प्याज साफ और जल्दी कटता है, जिससे रसायन कम निकलते हैं। वहीं, धीमे चाकू से काटने पर प्याज के टिशू ज्यादा टूटते हैं, जिससे रसायन ज्यादा मात्रा में हवा में फैलता है और आंखों में जलन होती है। इसलिए हमेशा तेज धार वाला चाकू इस्तेमाल करें।

मोमबत्ती या पंखा का उपयोग : प्याज काटते वक्त आसपास की हवा का सही बहाव भी जरूरी होता है। आप जहां प्याज काट रहे हैं, वहां एक जलती हुई मोमबत्ती रख सकते हैं। मोमबत्ती की लौ रसायन को अपनी ओर खींचकर जला देती है।

हरी मिर्च काटते वक्त जलन से बचने अपनाएं ये आसान व असरदार घरेलू टिप्स

रसोई में हरी मिर्च काटना एक आम लेकिन परेशान करने वाला काम हो सकता है, खासकर जब मिर्च काटने के बाद हाथों में तेज जलन शुरू हो जाती है। दरअसल, हरी मिर्च में कैप्साइसिन नामक एक तीखा तत्व होता है, जो स्किन के संपर्क में आते ही जलन पैदा करता है। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि कुछ घरेलू और आसान उपायों से आप इस जलन से पूरी तरह बच सकते हैं।

हाथों पर तेल या घी लगाएं : हरी मिर्च काटने से पहले हाथों पर थोड़ा घी या खाना पकाने का तेल लगा लें। यह स्किन पर एक सुरक्षात्मक परत बना देता है, जिससे कैप्साइसिन सीधा त्वचा से नहीं टकराता और जलन नहीं होती। यह उपाय न सिर्फ आसान है बल्कि रसोई में हमेशा उपलब्ध भी होता है।

दस्ताने पहनें : अगर आप पूरी तरह सुरक्षित तरीका अपनाना चाहते हैं तो डिस्पोजेबल ग्लव्स या किचन रबर ग्लव्स पहनकर मिर्च काटें। इससे आपके हाथ सीधे मिर्च के संपर्क में नहीं आते और जलन का कोई खतरा नहीं रहता।

कैंची का इस्तेमाल करें : जब मिर्च बहुत बारीक काटने की जरूरत न हो, तो कैंची से मिर्च काटना एक बेहतरीन विकल्प है। इससे न सिर्फ मिर्च जल्दी और समान आकार में कट जाती है, बल्कि आपकी उंगलियों का सीधे मिर्च से संपर्क भी नहीं होता। कैंची से काटना तेज, साफ-सुथरा और जलन मुक्त तरीका है।

चॉपिंग बोर्ड और तेज चाकू का करें इस्तेमाल : अगर आप चाकू से ही मिर्च काटना पसंद करते हैं, तो एक तेज धार वाला चाकू और चॉपिंग बोर्ड इस्तेमाल करें। मिर्च को हाथ में पकड़ने की बजाय बोर्ड पर रखें और तेजी से काटें ताकि हाथों का मिर्च से संपर्क कम से कम हो। काटने के बाद हाथों को तुरंत साबुन से धोना न भूलें।

जलन होने पर ठंडे पानी का इस्तेमाल करें : अगर किसी वजह से आपके हाथों में जलन हो ही गई है तो तुरंत ठंडे पानी में हाथ डुबोएं। चाहें तो पानी में थोड़ा सा नमक या सिरका मिला सकते हैं। इससे कैप्साइसिन का असर कम हो जाता है और जलन से राहत मिलती है।

कार्नर न्यूज

कुछ छोटे-छोटे बदलाव करके आप इसे नया और आकर्षक बना सकते हैं

अपने लिविंग रूम को बनाएं ऐसा आकर्षक मेहमान भी देखकर हो जाएं मंत्रमुग्ध

लिविंग रूम का माहौल घर की पहली छाप छोड़ता है। यह वह जगह है, जहां हम मेहमानों का स्वागत करते हैं और परिवार के साथ समय बिताते हैं। अगर आपका लिविंग रूम पुराना और उबाऊ लग रहा है तो कुछ छोटे-छोटे बदलाव करके आप इसे नया और आकर्षक बना सकते हैं। आइए कुछ आसान और प्रभावी तरीके जानते हैं, जिनसे आप बिना ज्यादा खर्च किए अपने लिविंग रूम को नया जैसा बना सकते हैं।

रंग-बिरंगे पेंट या दीवारों पर डिजाइन लगाएं

लिविंग रूम की दीवारों का रंग बदलना सबसे आसान और असरदार तरीका है। अगर दीवारें फीकी लग रही हैं तो एक नया पेंट करवाएं या फिर कोई आकर्षक डिजाइन लगाएं। हल्के रंगों से कमरा बड़ा और खुला दिखता है, जबकि गहरे रंगों से इसे गर्माहट मिलती है। इसके अलावा आप एक दीवार पर कोई खास डिजाइन भी बना सकते हैं, जिससे कमरा बेहद खूबसूरत लगेगा।

फर्नीचर की व्यवस्था बदलें

फर्नीचर की व्यवस्था बदलकर भी आप अपने लिविंग रूम का लुक बदल सकते हैं। सोफा, कुर्सियां और टेबल की स्थिति बदलकर कमरे में नई ऊर्जा भर सकते हैं। ध्यान रखें कि फर्नीचर के बीच पर्याप्त जगह हो ताकि लोग आराम से चल सकें। इसके अलावा आप छोटे-मोटे फर्नीचर जैसे कि चाय की मेज या साइड टेबल को भी बदल सकते हैं, जिससे कमरा नया सा लगेगा।

कला और सजावट का जोड़ें स्पर्श

कुछ कला कृतियां या सजावटी सामान आपके लिविंग रूम को खास बना सकते हैं। दीवार पर पेंटिंग्स, धातु की कला या लकड़ी की शेल्व्स अच्छे लगते हैं। इसके अलावा आप टेबल पर छोटे-छोटे सजावटी सामान जैसे कि मूर्तियां, फूलदान आदि रख सकते हैं। इन सरल तरीकों से आप अपने लिविंग रूम को नया और आकर्षक बना सकते हैं। इन बदलावों से न केवल आपका कमरा सुंदर लगेगा बल्कि परिवार के साथ-साथ मेहमानों पर भी अच्छा प्रभाव डालेगा।

रोशनी का ध्यान रखें

रोशनी आपके लिविंग रूम के माहौल को पूरी तरह बदल सकती है। अच्छी रोशनी न केवल कमरे को उज्ज्वल बनाती है बल्कि इसे अधिक आकर्षक भी बनाती है। आप छत पर लगी लाइट, टेबल लैम्प या दीवार पर लगी लाइट्स का उपयोग कर सकते हैं। इसके अलावा प्राकृतिक रोशनी को अधिकतम करने के लिए पर्दों को हल्का रखें या उन्हें पूरी तरह से खोलें।

पौधों का उपयोग करें

पौधों का उपयोग करके आप अपने लिविंग रूम को ताजा और जीवंत बना सकते हैं। छोटे-छोटे पौधे जैसे कि बोन्साई, एलोवेरा या अन्य सजावटी पौधे चुन सकते हैं, जो कम देखभाल वाले हों। इन्हें खिड़कियों के पास रखें ताकि इन्हें पर्याप्त धूप मिल सके। इसके अलावा आप दीवार पर लगे गार्डन या लटकते पौधों का भी उपयोग कर सकते हैं, जिससे कमरा और भी आकर्षक लगेगा।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

एंजेलिना जोली की बेटी ने पार्टनर के साथ रहने के लिए छोड़ा घर, एक्ट्रेस की बढ़ गई टेंशन

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एंजेलिना जोली अपनी बेटी को लेकर इस वक्त परेशान हैं। हाल ही में बेटी ने उनका घर छोड़कर अपनी गर्लफ्रेंड डांसर केओनी रोज के साथ रहना शुरू कर दिया है। इस बात से एंजेलिना जोली नाराज हैं। रडार ऑनलाइन की एक रिपोर्ट्स के मुताबिक एंजेलिना जोली अपनी बेटी के इस फैसले से खुश नहीं है। कहा जा रहा है कि एंजेलिना की बेट शिलोह पिछले कुछ हफ्तों से अपनी गर्लफ्रेंड के साथ रह रही है। दरअसल, एंजेलिना चाहती हैं कि बच्चे उनके साथ ही रहें। वह चाहती हैं कि उनके बच्चे एक सुरक्षित माहौल में रहें। एंजेलिना जोली और ब्रैड पिट ने छह बच्चे हैं। मैडॉक्स, पैक्स, जहरा, शिलोह और दो जुड़वां बच्चे नॉक्स और विविएन हैं। कई साल पहले ब्रैड पिट और एंजेलिना जोशी का तलाक हुआ। सभी बच्चे एंजेलिना के साथ रहते हैं। कुछ हॉलीवुड मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शिलोह का गर्लफ्रेंड के साथ रहना ब्रैड पिट को भी रास नहीं आ रहा है। वह भी बेटी को लेकर टेंशन में हैं। मगर इस इसके लिए बहुत हद तक एंजेलिना को जिम्मेदार मानते हैं। पिछले साल नवंबर में शिलोह और केओनी रोज को साथ देखा गया था, तभी से इनके रिलेशनशिप को लेकर अटकलें लगनी लगीं। दोनों को साथ में कई मौकों पर बाद में भी देखा गया। अब ये दोनों साथ रहने लगी हैं। इससे इनका अफेयर कंफर्म हो गया है।

टॉलीवुड

उस्ताद भगत सिंह में श्रीलीला के बाद हुई इस साउथ एक्ट्रेस की एंट्री

पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में श्रीलीला मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आ एं गी । लेकिन अब ता जा जानकारी के अनुसार, फिल्म में श्रीलीला के अलावा भी एक और साउथ एक्ट्रेस की एंट्री हो गई है। पवन कल्याण की फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। निर्माता इस महीने के आखिर तक पवन कल्याण के हिस्से की शूटिंग पूरी करना चाहते हैं। साथ ही, उनके जन्मदिन पर एक खास टीजर भी रिलीज करने की योजना है। श्रीलीला इस एक्शन ड्रामा में मुख्य अभिनेत्री हैं। सक्रिप्ट में एक और नायिका की जगह है। राशि खन्ना दूसरी मुख्य नायिका हो सकती हैं। राशि पहले साईं धर्म तेज और वरुण तेज के साथ मेगा कैंप की सफल फिल्मों में काम कर चुकी हैं। प्रशंसक इस खबर से उत्साहित हैं, हालांकि, आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण और श्रीलीला के अलावा आशुतोष राणा, गौतमी, नागा महेश, टेम्पर वामसी और केजीएफ फेम अविनाश भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण मैथरी मूवी मेकर्स कर रहे हैं। फिल्म का शानदार संगीत देवी श्री प्रसाद दे रहे हैं। इस फिल्म के अलावा पवन कल्याण फिल्म 'हरि हर वीर मल्लु' में नजर आएंगे। यह एक एतिहासिक एक्शन एडवेंचर फिल्म है। इस फिल्म को कृष जगरलामुदी और ए.एम. ज्योति कृष्णा ने लिखा और निर्देशित किया है। यह एक महान डाकू के ऊपर आधरित है। इस फ़िल्म में पवन कल्याण के अलावा बॉबी देओल, निधि अग्रवाल, नोरा फतेही और विक्रमजीत विर्क ने मुख्य भूमिका निभाई हैं।

भोजपुरी

मोनालिसा की फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शुरू हुई शूटिंग

महाकुंभ में माला बेचकर चर्चा में आईं मोनालिसा अब स्टार बन चुकी हैं। उनकी फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है, जिसे डायरेक्टर सनोज मिश्रा बना रहे हैं। इसकी शूटिंग इटावा में शुरू हो गई है। इस फिल्म में मोनालिसा एक आर्मी अफसर की बेटी का किरदार निभाएंगी, जो पिता के लिए संघर्ष करती है और डिफेंस में जाने का सपना देखती है। 'द डायरी ऑफ मणिपुर' के प्रोड्यूसर धीरेन्द्र चौबे हैं। फिल्म में मोनालिसा के साथ अमित राव, दिनेश त्रिवेदी और अभिषेक त्रिपाठी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म की शूटिंग इटावा के राजा सुमेर सिंह किला में हो रही है। 'द डायरी ऑफ मणिपुर' के गाने सनोज मिश्रा ने लिखे हैं और अन्नु प्रिया ने गाए हैं, वहीं म्यूजिक शेखर संतोष ने दिया है। यह फिल्म मणिपुर की सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें एक लव स्टोरी और बेटी के संघर्ष को दिखाया जाएगा। फिल्म की शूटिंग देवी मां के मंदिर में नारियल तोड़कर शुरू की गई। सनोज मिश्रा ने 'द डायरी ऑफ मणिपुर' के सेट से कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कीं, और लिखा, 'जनता जनार्दन की जय हो। सत्य की जय हो। विरोधियों साजिशकर्ताओं को सद्बुद्धि मिले और सभी को समुचित जवाब मिले। इसी आशा और उम्मीद के साथ मोनालिसा की फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग शुरू कर दी है। ये सब आप लोगों की शुभकामनाओं से संभव हो पाया है, नहीं तो लोग कह रहे थे कि मेरी कहानी खत्म है...'। 'जबकि कहानी अब शुरू हो रही है। एक विशाल सिनेमा का उदय हो रहा है, जिसके पर्दे के पीछे की कहानी बॉलीवुड में हमेशा याद की जाएगी कि एक डायरेक्टर को झूठे रेप केस में फंसाया गया, लेकिन फिर भी कारवां नहीं रुका। जेल से आकर तुरंत फिल्म शुरू करना मेरे लिए बहुत बड़ा चैलेंज था। इसके लिए हमारी टीम ने रात-दिन मेहनत की और अब परिणाम आपके सामने है सभी अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखिए।'

सावन का महीना, और हरे रंग की साड़ी

सावन का महीना है, और हरे रंग की साड़ी न पहनी जाए, ऐसा तो हो नहीं सकता। ऐसे में आप जान्हवी कपूर से टिप्स लेकर ऐसी बांधनी प्रिंट की साड़ी कैरी कर सकती हैं। हरे रंग की साड़ी के साथ स्लीवलेस ब्लाउज पहनें और लुक को चोकर के साथ कंप्लीट करें। इसके साथ बालों में ढीली-ढीली चोटी बनाएं, ताकि आपका लुक अच्छा दिखे।

हर दिन झड़ते बालों से परेशान हैं तो अपनाएं आसान घरेलू नुस्खे

आजकल मॉनसून का मौसम है और इसी दौरान बालों की समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। नमी और वातावरण में बदलाव की वजह से हेयर फॉल यानी बालों का झड़ना आम हो गया है यह समस्या महिलाओं और पुरुषों दोनों को परेशान कर सकती है। लेकिन इसके लिए ज्यादा झिझकने या महंगे उत्पादों की जरूरत नहीं है।

प्रतिदिन करें प्राण मुद्रा : प्राण मुद्रा एक खास योग मुद्रा है जो शरीर की ऊर्जा को संतुलित करती है और बालों की जड़ों तक बेहतर ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करती है। इस मुद्रा को करने के लिए आप अनामिका (रिंग फिंगर) और कनिष्ठा (लिटिल फिंगर) को अंगूठे से मिलाएं, जबकि बाकी दो उंगलियों को सीधा रखें। रोजाना सिर्फ 10 से 15 मिनट इस मुद्रा को अपनाने से बालों का झड़ना धीरे-धीरे कम हो सकता है और स्कैल्प को गहराई से पोषण मिलता है।

हेड टैपिंग अपनाएं : हेड टैपिंग यानी सिर की त्वचा को हल्के-हल्के उंगलियों से थपथपाना एक आसान लेकिन असरदार तकनीक है। यह तरीका ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है जिससे बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और झड़ने की समस्या में राहत मिलती है। इस

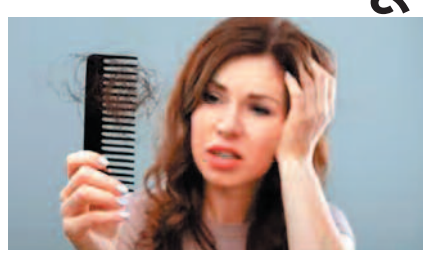

तकनीक को अपनाने के लिए दिन में कम से कम 5 से 10 मिनट अपने सिर की त्वचा को हल्के हाथों से टैप करें। इससे स्कैल्प में ब्लड फ्लो सुधरता है और बालों को पोषण बेहतर तरीके से मिल पाता है।

रिवर्स कॉम्बिंग करें : रिवर्स कॉम्बिंग एक ऐसी तकनीक है जिसमें बालों को उनकी सामान्य दिशा से उल्टी ओर यानी नीचे से ऊपर की ओर कंघी किया जाता है। यह तरीका खासतौर पर बालों की जड़ों में रक्त संचार को बेहतर करने में मदद करता है। साथ ही इससे स्कैल्प की नमी भी संतुलित रहती है और बाल टूटने से भी बचते हैं। इस तकनीक को दिन में 1 से 2 बार अपनाएं, लेकिन ध्यान रखें कि कंघी हल्के हाथों से करें और बालों को खींचे नहीं।

तनाव भी बाल झड़ने की है एक मुख्य वजह

तनाव भी बाल झड़ने की एक बड़ी वजह बन सकता है। जब हम स्ट्रेस में होते हैं, तो शरीर में ऐसे हार्मोन निकलते हैं जो बालों की जड़ों को कमजोर कर देते हैं। इसलिए रोजाना कुछ समय मेडिटेशन या गहरी सांस लेने की तकनीक अपनाएं। चाहें तो सुबह-सुबह टहलना या हल्की योगासन की मदद से दिमाग को शांत करें। इससे न केवल मानसिक शांति मिलेगी, बल्कि बालों की सेहत भी सुधरेगी। प्राण मुद्रा से ऊर्जा और जड़ें मजबूत होती हैं। हेड टैपिंग से ब्लड फ्लो बढ़ता है। रिवर्स कंघी से नमी संतुलन बना रहता है और बालों की मजबूती बढ़ती है।

साधारण सलवार-सूट को त्योहार का परिधान बनाएं, जब पहनेंगी तो लगेंगी बेहतरीन

फैशन

त्योहारों का मौसम नजदीक है और हर किसी को अपने कपड़ों को लेकर चिंता सताने लगती है कि क्या पहना जाए, खासकर महिलाओं को त्योहारों पर क्या पहनना चाहिए, यह एक बड़ा सवाल होता है। अगर आपके पास कोई साधारण सलवार सूट है और वह थोड़ा उबाऊ सा लग रहा है तो उसे नए अंदाज में पहनकर आप त्योहार का मजा ले सकती हैं। आइए कुछ आसान और प्रभावी तरीके जानते हैं।

कढ़ाई का जादू : अगर आपका पुराना सलवार सूट थोड़ा फीका पड़ गया है तो उसे कढ़ाई से नया रूप दिया जा सकता है। आप सूट के पल्लू, बाजू या फिर गले पर हल्की-फुल्की कढ़ाई करवा सकती हैं। इससे आपका सूट तुरंत ही आकर्षक लगने लगेगा। इसके अलावा आप सूट के नीचे और बाजुओं पर भी हल्की कढ़ाई करवा सकती हैं, जिससे वह और भी खास लगेगा।

साटन या जरी बॉर्डर लगाएं : साटन या जरी बॉर्डर लगाकर भी आप अपने पुराने सलवार सूट को नया रूप दे सकती हैं। बस ध्यान रखें कि बॉर्डर का रंग आपके सूट से मेल खाता हो ताकि वह अच्छा लगे। साटन का बॉर्डर आपके सूट को एक शाही लुक देगा, वहीं जरी बॉर्डर उसे और भी आकर्षक बनाएगा। यह तरीका न केवल आपके पुराने सूट को नया रूप देगा, बल्कि उसे त्योहारों के लिए भी उपयुक्त बना देगा।

लटकन का उपयोग करें : लटकन का उपयोग आपके पुराने सलवार सूट को नया और त्योहारों का लुक देने में मदद कर सकता है। आप अपनी सलवार या कुर्ते के किनारों पर लटकन को जोड़ सकती हैं। यह न केवल आपके कपड़े को खास बनाता है बल्कि उसे और भी आकर्षक दिखाता है।इसके अलावा आप अपनी दुपट्टे पर भी हल्की सी लटकन को जोड़ सकती हैं, जिससे आपका पूरा लुक और भी मनोहर लगेगा। यह तरीका आपके परिधान को नया रूप देगा।

अलग-अलग रंगों का मेल : अगर आपका पुराना सलवार सूट एक ही रंग का है तो आप उसके साथ अलग-अलग रंगों की पैंट या दुपट्टा मिलाकर पहन सकती हैं। इससे आपका लुक नया और ताजा लगेगा। उदाहरण के लिए नीले रंग का कुर्ता, सफेद पैंट और नारंगी दुपट्टा या फिर हरे रंग का कुर्ता, क्रीम पैंट और गुलाबी दुपट्टा। इसके अलावा आप अलग-अलग रंगों की पट्टियों का भी इस्तेमाल कर सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

गहनों का सही चयन करें : गहने आपके पूरे लुक को पूरा करते हैं इसलिए सही चयन करना जरूरी है। अगर आपका सूट साधारण दिख रहा हो तो बड़े झुमके, चूड़ियां और मांगटीका पहनें। इससे आपका लुक बहुत ही खास लगेगा।

फ्लोरल प्रिंट वाली सफेद कुर्ती के साथ अच्छे लगते हैं ये बॉटमवियर

फ्लोरल प्रिंट वाली सफेद कुर्ती महिलाओं की अलमारी में यह एक अहम हिस्सा है। फ्लोरल प्रिंट वाली सफेद कुर्ती न केवल देखने में अच्छी लगती है, बल्कि इसे पहनने से आप ताजगी और सुंदरता का अनुभव भी करती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे बॉटमवियर के बारे में बताएंगे, जो फ्लोरल प्रिंट वाली सफेद कुर्ती के साथ पहने जा सकते हैं और आपका लुक और भी खास बना सकते हैं।

प्लेन पैंट्स : फ्लोरल प्रिंट वाली सफेद कुर्ती के साथ प्लेन पैंट्स पहनना एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह मेल आपको एक साफ-सुथरा और पेशेवर लुक देगा। आप सफेद या हल्के रंग की पैंट्स चुन सकती हैं, जो आपकी फ्लोरल प्रिंट वाली सफेद कुर्ती से मेल खाएं। इससे आपका पूरा लुक संतुलित और आकर्षक लगेगा। यह पहनावा न केवल ऑफिस के लिए उपयुक्त है, बल्कि खास मौकों पर भी यह अच्छा लगता है।

जींस : अगर आप रोजमर्रा के उपयोग के लिए कुछ आरामदायक और स्टाइलिश ढूंढ रही हैं तो जींस एक अच्छा विकल्प हो सकता है। फ्लोरल प्रिंट वाली सफेद कुर्ती के साथ नीली या काली जींस बहुत अच्छी लगती है। यह मेल आपको सहज और आरामदायक लुक देगा, जिससे आप हर दिन ताजगी महसूस करेंगी। जींस के साथ यह मेल न केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि इसे पहनने से आप सहज भी महसूस करेंगी।

वाइड लेग पैंट्स : वाइड लेग पैंट्स भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जो आपकी फ्लोरल प्रिंट वाली सफेद कुर्ती के साथ बहुत अच्छी लगेगी। वाइड लेग पैंट्स के साथ यह मेल आपको एक आधुनिक और फैशनेबल लुक देगा, जिससे आप हर मौके पर खास दिखेंगी। आप हल्के रंग की वाइड लेग पैंट्स चुन सकती हैं, जो आपकी फ्लोरल प्रिंट वाली सफेद कुर्ती से मेल खाएं। इसके साथ हल्के गहने पहनें ताकि आपका लुक ज्यादा बनावटी न लगे।

हर महिला की अलमारी में होने चाहिए ऐसे ट्राउजर जिनको जब पहनें तब दिखें लाजवाब

आजकल बाजार में महिलाओं के लिए कई तरह के ट्राउजर मौजूद हैं। ये ट्राउजर न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाते हैं। सही ट्राउजर चुनने से आप हर मौके पर बेहतरीन दिख सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ट्राउजर के बारे में बताएंगे, जो हर महिला की अलमारी में होने चाहिए और जिन्हें आप अलग-अलग मौकों पर पहन सकती हैं। इन ट्राउजर को पहनकर आप आरामदायक और स्टाइलिश दिखेंगी।

कुलोट्स ट्राउजर : कुलोट्स ट्राउजर एक ऐसा विकल्प है, जो आरामदायक होने के साथ-साथ बहुत सुंदर भी दिखता है। ये ट्राउजर घुटनों तक आते हैं और नीचे की ओर थोड़े ढीले होते हैं। इन्हें आप किसी भी साधारण टॉप या शर्ट के साथ पहन सकती हैं। कुलोट्स ट्राउजर ऑफिस, पार्टी या किसी भी

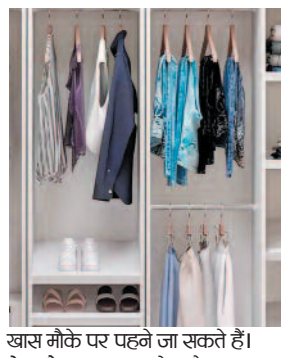

खास मौके पर पहने जा सकते हैं।

पेपरबैग ट्राउजर : पेपरबैग ट्राउजर अपनी ऊपरी हिस्से पर बेल्ट या रबर बैंड होते हैं, जिससे ये कमर पर अच्छी तरह फिट होते हैं। इनकी खासियत ये है कि ये कमर से लेकर पैरों तक ढीले होते हैं, जिससे चलने में कोई दिक्कत नहीं होती है। इन्हें आप किसी भी साधारण टी-शर्ट या ब्लाउज के साथ पहन सकती हैं। पेपरबैग ट्राउजर ऑफिस, कॉलेज या दोस्तों के साथ बाहर जाने के लिए बेहतरीन विकल्प हैं।

वाइड-लेग ट्राउजर : वाइड-लेग ट्राउजर आजकल बहुत चलन में हैं। ये ट्राउजर कमर से लेकर पैरों तक ढीले होते हैं, जिससे आपको पूरा दिन आरामदायक महसूस होता है। इन्हें आप किसी भी साधारण टॉप या शर्ट के साथ पहन सकती हैं। वाइड-लेग ट्राउजर ऑफिस, कॉलेज या दोस्तों के साथ बाहर जाने के लिए बेहतरीन विकल्प हैं।

फॉर्मल ट्राउजर : फॉर्मल ट्राउजर ऑफिस या किसी औपचारिक मौके के लिए सबसे अच्छे होते हैं। इनकी फिटिंग बहुत अच्छी होती है और ये आपको पेशेवर दिखाते हैं। इन्हें आप किसी भी औपचारिक शर्ट या ब्लाउज के साथ पहन सकती हैं। फॉर्मल ट्राउजर आपकी पेशेवर छवि को बेहतर बनाते हैं और आपको आत्मविश्वास देते हैं। इनकी खासियत यह है कि ये आपको एक पेशेवर लुक देते हैं और साथ ही पूरे दिन आरामदायक भी रखते हैं।

कार्नर न्यूज

न केवल आरामदायक होती है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखती है

फ्लेयर ड्रेस को स्टाइल करने के लिए अपनाएं ऐसे तरीके जिससे लगेंगी सबसे अलग

फ्लेयर ड्रेस एक ऐसा परिधान है, जो हर महिला की अलमारी में होना चाहिए। यह न केवल आरामदायक होती है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखती है। फ्लेयर ड्रेस को सही तरीके से स्टाइल करने से आप हर मौके पर खास दिख सकती हैं और हर अवसर पर बेहतरीन दिख सकती हैं।

सही फुटवियर्स का चयन करें

फ्लेयर ड्रेस के साथ सही फुटवियर्स का चयन करना बहुत जरूरी है। अगर आप पार्टी में जा रही हैं तो हील्स फुटवियर पहनें, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा, वहीं अगर आप किसी रोजमर्रा की आउटिंग पर जा रही हैं तो फ्लैट्स या आरामदायक जूते पहन सकती हैं। इससे न केवल आपका लुक बेहतर लगेगा बल्कि आप आरामदायक भी महसूस करेंगी। सही फुटवियर्स से आपका पूरा लुक निखर आता है और आप हर मौके पर आकर्षक दिखती हैं।

एक्सेसरीज का चयन सोच-समझकर करें

एक्सेसरीज का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे आपकी फ्लेयर ड्रेस के साथ मेल खाएं। भारी एक्सेसरीज पहनने से बचें क्योंकि इससे आपका लुक ज्यादा बनावटी लग सकता है। हल्की और सुंदर एक्सेसरीज जैसे कि छोटे झुमके, पतली चूड़ियां या एक साधारण हार आपके लुक को पूरा करेंगे। इससे न केवल आपका लुक संतुलित रहेगा बल्कि आप हर मौके पर आकर्षक और स्टाइलिश दिखेंगी।

बालों की स्टाइल पर दें ध्यान

फ्लेयर ड्रेस के साथ बालों की स्टाइल का मेल बहुत अहम होता है। अगर आपकी ड्रेस बिना बाजू की है तो आप खुले बाल रख सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा, वहीं अगर आपकी ड्रेस बाजू वाली है तो बालों को बांधकर ऊपर की ओर करें ताकि आपका चेहरा साफ नजर आए। इससे न केवल आपका लुक बेहतर लगेगा बल्कि आप हर मौके पर आकर्षक दिखेंगी। सही बालों की स्टाइल से आपका पूरा पहनावा निखर आता है।

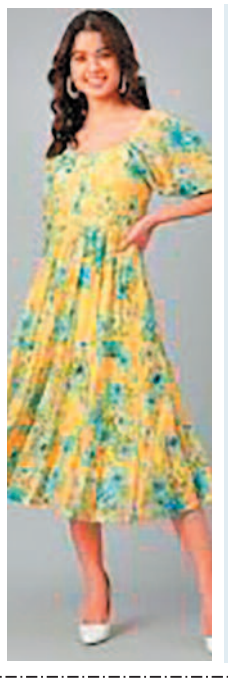

मेकअप को संतुलित रखें

मेकअप करते समय संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी है। अगर आपकी फ्लेयर ड्रेस गहरे रंग की है तो हल्का मेकअप करें, जिसमें केवल लिपस्टिक और काजल ही काफी होगा, वहीं अगर आपकी ड्रेस हल्के रंग की है तो थोड़ी ज्यादा मेकअप कर सकती हैं, जैसे कि आंखों पर लाइनर और लिपस्टिक। इससे आपका लुक संतुलित रहेगा और आप हर मौके पर आकर्षक दिखेंगी। सही मेकअप से आपका पूरा लुक निखर आता है और आप हर अवसर पर खास दिखती हैं।